सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

*अमूल्य संबंधों की तुलना कभी,
धन से न करें क्योंकि धन,दो दिन काम आयेगा, जबकि संबंध
उम्र भर काम आयेंगे..!!*
अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–40 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शनिवार 28 फरवरी 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए,

न्यू प्रेस क्लब ऑफ भिलाई के चुनाव में 13 पदों के लिए 23 प्रत्याशी मैदान में

कोषाध्यक्ष में दिनेश चौहान, सचिव में गौकरण निषाद व जोगिंदर सिंह निर्विरोध निर्वाचित हुए

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

न्यू प्रेस क्लब ऑफ भिलाई नगर के द्विवार्षिक चुनाव को लेकर पत्रकार जगत में सरगर्मी तेज हो गई है। 1 मार्च 2026 को होने वाले मतदान में कुल 16 पदों में से 3 पदों पर निविरोध निर्वाचन तय हो चुका है, जबकि शेष 13 पदों के लिए 23 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं।

कोषाध्यक्ष और सचिव के दो पद पर एक-एक नामांकन होने के कारण कोषाध्यक्ष पद पर दिनेश चौहान तथा सचिव के दो पदों पर गौकरण निषाद उर्फ गणेश और जोगिंदर सिंह उर्फ सोनू को मतदान पूर्व ही निविरोध निर्वाचित घोषित किया गया है। अब शेष 13 पदों के लिए मतदान के माध्यम से पदाधिकारियों का चयन किया जाएगा।

अध्यक्ष पद पर पांच प्रत्याशी

अध्यक्ष पद के लिए अनिल गुप्ता, जे. एम. तांडी, खिलावन सिंह चौहान, रत्नाकर अल्वा और निलेश त्रिपाठी चुनावी मैदान में हैं। सभी प्रत्याशी अपने-अपने संकल्पों और वादों के साथ मतदाताओं से समर्थन की अपील कर रहे हैं।

अन्य प्रमुख पदों पर मुकाबला

वरिष्ठ उपाध्यक्ष के एक पद के लिए सुनील चौहान और सत्यनारायण शुक्ला आमने-सामने हैं। उपाध्यक्ष के दो पदों के लिए जय प्रकाश आर्य उर्फ गुड्डा, रघुनंदन पंडा और यदुनंदन मिश्रा मैदान में हैं। महासचिव पद के लिए दिलीप कुमार शर्मा और कोमल धनेसर के बीच मुकाबला है। सहसचिव पद पर भोपाल देवांगन और शमशीर अहमद खान उर्फ सिवानी चुनाव लड़ रहे हैं। कार्यालय सचिव पद के लिए के. मोहन राव और शमसुद्दीन खान के बीच सीधा मुकाबला है। कार्यकारिणी सदस्य के छह पदों के लिए पी. मोहन, राजकुमार आर्य, सोनू यादव, सुरेंद्र सिंह विराट, सुरेंद्र ठाकुर, सर्वेश सिंह और योगेश वर्मा दावेदारी कर रहे हैं।

अध्यक्ष पद के प्रत्याशियों ने मतदान को लेकर उत्साह

प्रेस क्लब चुनाव को लेकर पत्रकार समुदाय में खासा उत्साह देखा जा रहा है। अध्यक्ष पद समेत विभिन्न पदों पर कड़ा मुकाबला तय माना जा रहा है। अब सभी की नजरें 1 मार्च 2026 को होने वाले मतदान और उसके परिणामों पर टिकी हैं, जो आने वाले कायर्काल के लिए प्रेस क्लब की दिशा और दशा तय करेंगे।

अध्यक्ष पद के उम्मीदवार रत्नाकर अल्वा ने कहा कि

दो दशकों से न्यू प्रेस क्लब ऑफ भिलाई से पूरी तरह जुड़ा हुआ हु। इन दो दशकों में मैने पहली बार देखा है की पिछला सूर्या राव का कायर्काल जो कि समय से दस दिन पूर्व चुनाव की घोषणा कर दी गई।ये बहुत ही सराहनीय काम हुआ है। लेकिन पिछले दो दशकों से पत्रकारों के हित में कोई पुख्ता काम नहीं हुआ है। प्रेस क्लब की तरफ से या सरकारी योजनाओं का किसी भी प्रकार का कोई लाभ नहीं मिला है।और अब फिर समय आ गया है, अब आपको तय करना है कि प्रेस क्लब को किस दिशा मे लेजाना है। मै कोई वादा नहीं करता , लेकिन मेरा पहला प्रयास रहेगा सभी सदस्यों को क्लब द्वारा सबका आशियाना हो। पत्रकारों की सुरक्षा हो, ग्रुप इंश्योरेंस और स्वस्थ सुविधाओं की व्यवस्था हो। ***अतः आप सभी सदस्यों से अपील है मेरी,आपका पूरा समर्थन मुझे चाहिए और मैं वादा करता हूं मैं पूरी जिम्मेदारी और ईमानदारी से कार्य करूंगा।***

भिलाई प्रेस क्लब को नई दिशा देने का लिया संकल्प

जमीन दिलाना ही उनका एकमात्र वादा

अध्यक्ष पद के प्रत्याशी जे . एम . तांडी ने किसी घोषणा या आश्वासन के बजाय एक बड़े लक्ष्य को अपनी प्राथमिकता बताया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पत्रकारों के अपने आशियाने के लिए जमीन दिलाना ही उनका एकमात्र वादा है। अध्यक्ष चुने जाने पर तर्दथ समिति के गठन, हाउसिंग सोसाइटी की प्रक्रिया, जमीन की तलाश और तीन से छह माह में कानूनी प्रक्रिया पूर्ण कराने का संकल्प उन्होंने दोहराया।

निलेश ने भी रखा अपना विजन

अध्यक्ष पद के प्रत्याशी निलेश त्रिपाठी ने विस्तृत संकल्प पत्र जारी करते हुए पत्रकारिता को प्रोत्साहन, आर्थिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाएं, सामाजिक सुरक्षा और संगठनात्मक सुधारों पर जोर दिया है। उनके संकल्पों में पत्रकार कल्याण कोष, दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य शिविर, शिक्षा में रियायत, जमीन और आवास के लिए प्रयास, तथा तय समय पर चुनाव कराने का वादा शामिल है।

अध्यक्ष पद के दावेदार खिलावन का संकल्प पत्र जारी

वहीं खिलावन सिंह चौहान ने पत्रकारों और उनके परिवारों के लिए बीमा, भिलाई इस्पात संयंत्र में चिकित्सा सुविधाएं, बच्चों की शिक्षा, हाउसिंग बोर्ड के माध्यम से आवास, और जेन्युन पत्रकारों को सदस्यता जैसे वादे किए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यदि वे अपने वचन पूरे नहीं कर पाए तो तत्काल इस्तीफा दे देंगे।

न्यू प्रेस क्लब ऑफ भिलाई के अध्यक्ष पद के दावेदार खिलावन सिंह चौहान ने एक सशक्त, दूरदर्शी और सदस्य-केंद्रित संकल्प पत्र जारी किया है। इस संकल्प पत्र में उन्होंने स्पष्ट किया है कि उनका लक्ष्य सिर्फ पद पाना नहीं, बल्कि प्रेस क्लब को एकजुट, मजबूत और आधुनिक संस्थान के रूप में स्थापित करना है। खिलावन सिंह चौहान इससे पूर्व लगातार दो कायर्काल महासचिव के पद पर निर्वाचित रह चुके हैं। अपने अनुभव का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि अब अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारियां कहीं अधिक व्यापक हैं और इसके लिए ठोस कायर्योजना के साथ मैदान में उतरना आवश्यक है।

प्रेस क्लब सदस्यों के लिए आवासीय भूखंड – सर्वोच्च प्राथमिकता : संकल्प पत्र का सबसे अहम बिंदु प्रेस क्लब के सभी सदस्यों को आवासीय भूखंड आवंटन दिलाना है। चौहान ने स्पष्ट किया कि इसके लिए शासनझ्रप्रशासन से सतत संवाद, वरिष्ठ पत्रकारों के मार्गदर्शन और चल रही प्रक्रियाओं में तेजी लाकर हरसंभव प्रयास किया जाएगा, ताकि प्रत्येक सदस्य को सम्मानजनक आवास का अधिकार मिल सके।

पारिवारिक वातावरण और संवेदनशील नेतृत्व : उन्होंने प्रेस क्लब को सिर्फ एक संस्था नहीं, बल्कि पत्रकारों का परिवार बनाने का संकल्प लिया है। सभी सदस्यों के सुख-दुख में सहभागिता, पारिवारिक आयोजनों में उपस्थिति और संवेदनशील नेतृत्व उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी होगी।

परिवार सहित दुर्घटना बीमा की पहल : सभी सदस्यों के परिवार सहित दुर्घटना बीमा के लिए ठोस प्रयास करने की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि पत्रकार सुरक्षा केवल शब्दों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उसे व्यवहार में उतारना जरूरी है।

प्रेस से मिलिए कार्यक्रम-संवाद का नया मंच: प्रत्येक माह दो बार प्रेस से मिलिए कार्यक्रम आयोजित करने की योजना भी संकल्प पत्र में शामिल है। इसमें समाज के सभी वर्गों, शासन-प्रशासन, बीएसपी प्रबंधन, नगर निगम और अन्य संस्थानों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित कर संवाद और समन्वय को मजबूत किया जाएगा। साथ ही वरिष्ठ अधिकारियों के वेलकम और फेयरवेल समारोह आयोजित कर प्रेस क्लब को जीवंत मंच बनाने की मंशा जाहिर की गई है।

भ्रमण, वर्कशॉप और शैक्षणिक कार्यक्रम : पत्रकारों के ज्ञान और कौशल विकास के लिए भ्रमण, शैक्षणिक दौरे, वर्कशॉप और प्रशिक्षण कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित करने का वादा भी किया गया है।

त्योहारों में सम्मान, आधुनिक भवन की व्यवस्था : त्योहारों पर सभी सदस्यों को सम्मानजनक उपहार देने, तथा प्रेस क्लब के लिए एक व्यवस्थित और आधुनिक भवन की व्यवस्था करने का संकल्प लिया गया है। इस भवन में खेल सामग्री, कंप्यूटर, इंटरनेट सहित आधुनिक संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि पत्रकार बदलते डिजिटल युग में और अधिक सशक्त बन सकें।

भिलाई नगर निगम में भ्रष्टाचार की गंध !

सुलभ संधारण पर करोड़ों फूंके, जमीन पर सुलभ बदहाल-शिकायतों पर कब टूटेगी चुप्पी ?

आलोक तिवारी / भिलाई

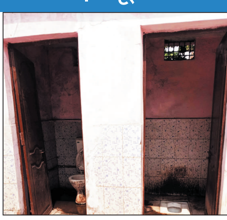
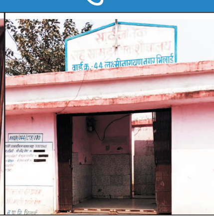
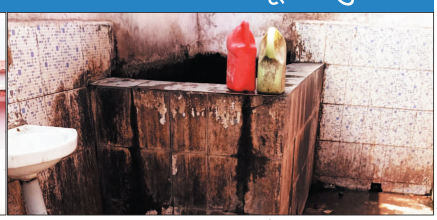

नगर पालिक निगम भिलाई में बढ़ते भ्रष्टाचार और लगातार सामने आ रही शिकायतें अब किसी एक मामले तक सीमित नहीं रहीं। परत दर परत नए खुलासे हो रहे हैं और हर परत के नीचे सवालों की एक नई फेहरिस्त खड़ी दिखाई दे रही है। यह साफ होता जा रहा है कि निगम में भ्रष्टाचार कोई अपवाद नहीं, बल्कि सिस्टम का हिस्सा बनता जा रहा है।

एक ओर सुलभ शौचालयों के संचालन और संधारण के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, दूसरी ओर जमीनी हकीकत आज भी बदहाल है। कागजों में सुलभ चमक रहे हैं, लेकिन हकीकत में आम जनता को गंदगी, दुर्गंध और अव्यवस्था के बीच उन्हीं 'बेकार' सुलभों का उपयोग करने को मजबूर होना पड़ रहा है। लगभग रोज कोई न कोई जनप्रतिनिधि नगर निगम भिलाई में भ्रष्टाचार को लेकर शिकायत कर रहा है। सवाल यह नहीं है कि शिकायतें क्यों हो रही हैं, सवाल यह है कि उन शिकायतों पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही ? शिकायतें आती हैं, फाइलें बनती हैं, बयान दिए जाते हैं और फिर सब कुछ शांत। इसके बाद वही अधिकारी, वही सिस्टम और वही हालात।

सुलभ शौचालयों के संधारण के बाद भी स्थिति में कोई सुधार नहीं होना इस बात का सबसे बड़ा सबूत है कि खेल सफाई का नहीं, भुगतान का है। बिल पास होते ही जिम्मेदारी खत्म हो जाती है। न निरीक्षण, न जवाबदेही और न ही जनता के प्रति कोई संवेदनशीलता।

पार्षद की शिकायत पर कब होगी कार्रवाई ? निगम में उठे सवाल, दोषियों पर गिरेगी गाज या फाइलों में दबेगा मामला

नगर पालिक निगम भिलाई में सार्वजनिक सुलभ शौचालयों के संचालन और रख-रखाव को लेकर सामने आई कथित आर्थिक अनियमितताओं का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। वार्ड-46 के पार्षद के. जगदीश कुमार द्वारा माननीय जिलाधीश दुर्ग को की गई लिखित शिकायत के बाद नगर प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

कार्रवाई पर संशय, जनता पूछ रही सवाल

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि पार्षद की शिकायत पर कार्रवाई कब शुरू होगी? क्या जिलाधीश स्तर से उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए जाएंगे या यह मामला भी अन्य शिकायतों की तरह फाइलों में दबकर रह जाएगा? शिकायत में स्वच्छता निरीक्षकों की भूमिका पर सीधे सवाल उठाए गए हैं। भुगतान की अवधि में शौचालयों के बंद रहने, नियमों के उल्लंघन के बावजूद पूर्ण भुगतान, तथा अनुबंध की शर्तों की अनदेखी जैसे गंभीर बिंदुओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ऐसे में यदि निष्पक्ष जांच होती है, तो जिम्मेदार अधिकारियों और कमर्चारियों पर कार्रवाई तय मानी जा रही है।

प्रशासन की चुप्पी

शिकायत के बाद फिलहाल निगम प्रशासन और जिला प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। इस चुप्पी ने संदेह को और गहरा कर दिया है। पत्रकार और आमजन यह जानना चाहते हैं कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद बदहाल शौचालयों की जिम्मेदारी आखिर किसकी है।

अब निगाहें माननीय जिलाधीश दुर्ग पर टिकी हैं। यह देखना अहम होगा कि वे इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश देते हैं या फिर मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है। आने वाले दिनों में होने वाली कार्रवाई यह तय करेगी कि भ्रष्टाचार पर प्रहार होगा या एक और शिकायत सिस्टम की भेंट चढ़ जाएगी।

पार्षद ने जोन-1 से जोन-4 तक के 101 सार्वजनिक सुलभ शौचालयों के संचालन एवं संधारण में करोड़ों रुपये के भुगतान में अनियमितता का आरोप लगाया है। शिकायत में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि लगभग 5 करोड़ रुपये व्यय होने के बावजूद जमीनी हकीकत यह है कि अधिकांश शौचालयों की स्थिति बदहाल है, गंदगी व्याप्त है और निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया गया।

दोषियों पर कार्रवाई या सिर्फ औपचारिकता ?

नगर निगम भिलाई में पहले भी कई मामलों में जांच के नाम पर औपचारिकता निभाने के आरोप लगते रहे हैं। ऐसे में यह मामला प्रशासन की नीयत और पारदर्शिता की असली परीक्षा माना जा रहा है। यदि जांच निष्पक्ष हुई, तो न केवल संबंधित स्वच्छता निरीक्षक बल्कि भुगतान प्रक्रिया से जुड़े अन्य अधिकारी भी कार्रवाई के दायरे में आ सकते हैं।

नई दृष्टिबिंदु अखबार लगातार इन मामलों को उजागर कर रहा है और आगे भी जनता के सामने सच्चाई रखने का अपना दायित्व निभाता रहेगा। सवाल सिर्फ इतना है— आखिर नगर निगम भिलाई में भ्रष्टाचार के कितने और चेहरे सामने आएंगे ? कब किसी शिकायत पर कार्रवाई होगी और कब दोषियों पर गिरेगी गाज ? जब तक जवाब नहीं मिलते, सवाल पूछे जाते रहेंगे—और परतें खुलती रहेंगी।

होनी चाहिए जांच

101 नग शौचालय के संचालन व रखरखाव में 1 .5 करोड़ रुपए व संधारण में लगभग 5 करोड़ रुपए खर्च किए जाने के बाद भी आज भी सर्वत्र गंदगी और उचित संधारण नहीं होने की वजह से कहीं न कहीं गंभीर आर्थिक अनियमितता प्रदर्शित होती है। इस मामले की जांच होनी चाहिए।

के . जगदीश कुमार
पार्षद-वार्ड-46, जोन-3 खुर्सीपार

नगर पालिक निगम भिलाई में सुलभ शौचालय संधारण को लेकर एक और चौंकाने वाला खुलासा सामने आया है, जिसने पूरे भुगतान तंत्र पर सवालिया निशान लगा दिया है।

जोनवार संधारण में खर्च हुई राशि

जोन-1: 45,94,662
जोन-2: 1,29,45,000
जोन-3: 46,46,446
जोन-4: 1,45,72,980
कुल भुगतान: 3,67,59,088 रुपये

खुलासा: सुलभ संधारण में 'डबल पेमेंट' का खेल ? 30 लाख बिना काम के उड़ाए गए !

अब असली सवाल – काम किसका, भुगतान किसे ?

खुलासा यह है कि नगर निगम के सभी 101 सुलभ शौचालयों की देखरेख और केयरटेकिंग का जिम्मा स्वच्छता श्रृंगार योजना के तहत समितियों और महिला स्व-सहायता समूहों को सौंपा गया है, जिन्हें हर माह नियमित भुगतान किया जाता है। लेकिन इसी दौरान जब ठेकेदारों को सुलभ शौचालयों के संधारण (मरम्मत/नवीनीकरण) का कार्यादेश दिया गया, तब नियम के अनुसार— सुलभ शौचालय ठेकेदारों के हैंडओवर में थे, केयरटेकर और समितियों का कोई कार्य नहीं था, जब तक संधारण पूर्ण कर पुनः समितियों को हैंडओवर नहीं होता, तब तक भुगतान रोका जाना चाहिए था।, इसके बावजूद, लगभग तीन माह तक चले संधारण कार्य के दौरान भी समितियों और केयरटेकरों को पूरा भुगतान कर दिया गया।

30 लाख का भुगतान—बिना काम के!

अनुमान के अनुसार, इस अवधि में लगभग 30 लाख रुपये का भुगतान महिला स्व-सहायता समूहों को बिना किसी कार्य के कर दिया गया। अब सवाल यह उठता है कि— जब समितियों का कोई दायित्व नहीं था, तो भुगतान क्यों? क्या यह प्रशासनिक लापरवाही है या अधिकारियों और समितियों की साठगांठ ? भुगतान को किस अधिकारी ने स्वीकृति दी और किस आधार पर ? जनता कहां गई ? सुलभ बंद थे या चालू ? एक और बड़ा सवाल यह है कि जब 101 सुलभ शौचालय संधारण के नाम पर ठेकेदारों के अधीन थे— तब शहर की जनता शौचालयों का उपयोग कहां और कैसे कर रही थी ? यदि सुलभ चालू थे, तो संधारण किस तरह हो रहा था ? और यदि बंद थे, तो जनता को वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं दी गई ?

FSNL में ठेकेदारों की एंट्री पर यूनियन का अल्टीमेटम, 1 अप्रैल से आंदोलन की चेतावनी

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

फेरी स्क्रैप निगम लिमिटेड (FSNL) को लेकर भिलाई इस्पात संयंत्र में श्रमिक असंतोष अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। यूनियनों ने साफ ऐलान किया है कि लखोटिया कंपनी और अन्य ठेकेदारों को ऋरठछ में घुसने नहीं दिया जाएगा, जब तक श्रमिकों की सभी मांगों पर लिखित समझौता नहीं हो जाता। यूनियनों ने इसे करो या मरो की लड़ाई बताते हुए 1 अप्रैल से काम ठप करने और बड़े आंदोलन की चेतावनी दी है।

यूनियन नेताओं का आरोप है कि रअक्छ, भिलाई इस्पात संयंत्र और इस्पात मंत्रालय ने मिलकर श्रमिकों के साथ धोखा किया है। FSNL को 320 करोड़ रुपये में बेचे जाने के बाद भी कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा नहीं की गई, जबकि नियमों के अनुसार नई कंपनी पर कम से कम तीन वर्ष तक कमर्चारियों को कार्य पर रखने की बाध्यता थी।

5 तारीख को ज्ञापन, पीएम तक पहुंचेगी आवाज

यूनियनों ने ऐलान किया है कि 5 तारीख को SAIL, इस्पात मंत्रालय, प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए इरढ प्रबंधन और जिला कलेक्टर को भी अपनी मांगों से अवगत कराया जाएगा। श्रमिकों की छंटनी और ट्रांसफर को किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

भारी भ्रष्टाचार और श्रमिक शोषण के आरोप

यूनियन नेताओं ने ग्लोबल टेंडर प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं। आरोप है कि जहां रटर-3 का कार्य 390 करोड़ की टेंडर वैल्यू के बावजूद लखोटिया कंपनी को मात्र 225 करोड़ में दिया गया, वहीं अन्य कार्य भी आधी से कम कीमत पर आवंटित किए गए। इससे न केवल भ्रष्टाचार, चोरी और श्रमिक शोषण को बढ़ावा मिला, बल्कि स्क्रैप माफियाओं के कब्जे और देश की सुरक्षा पर भी खतरा पैदा हो गया है।

यूनियन का कहना है कि इरढ का स्टील देश की रेल पटरियों और रक्षा जरूरतों से जुड़ा है, ऐसे में अनुभवहीन या मुनाफाखोर कंपनियों की एंट्री राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी जोखिम है।

देशव्यापी आंदोलन का ऐला

इस आंदोलन को देशभर के इस्पात संयंत्रों का समर्थन मिल रहा है। दुर्गापुर, बर्नपुर, बोकारो, विशाखापटनम और राउरकेला की यूनियनों ने भिलाई में प्रस्तावित आंदोलन में शामिल होने की घोषणा की है। भिलाई की प्रमुख यूनियनें सीटू, इंटक, एचएमएस, ऐक्टू, एटक और बक्स भी समर्थन में उतरेंगी।

मुख्य मांगें

यूनियन नेताओं गजेंद्र सिंह, अरुण सिंह सिसोदिया (अध्यक्ष, फेरी स्क्रैप वर्कर्स यूनियन) और राजूलाल श्रेष्ठ ने संयुक्त बैठक के बाद स्पष्ट किया कि— ठेका श्रमिकों को 142/143.20 अहअ प्रतिदिन और न्यूनतम 35,000 मासिक वेतन दिया जाए। वतर्मान में कार्यरत 10,000 श्रमिकों और 200 स्थायी कर्मचारियों की नौकरी, वेतन और भत्तों की गारंटी दी जाए। सभी कर्मचारियों और अधिकारियों के अधिकारों पर लिखित समझौता किया जाए यूनियनों ने दो टूक कहा है कि जब तक लिखित समझौता नहीं होगा, FSNL में कोई नया ठेकेदार काम शुरू नहीं कर पाएगा। जरूरत पड़ी तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

जिला पंचायत दुर्ग में वॉटर सिक्योरिटी और कंजर्वेशन पर कन्वर्जेंस हुई कार्यशाला

वर्षा जल संचयन व भूजल संरक्षण को लेकर विभागीय समन्वय पर जोर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिला पंचायत दुर्ग के सभा कक्ष में वॉटर सिक्योरिटी एंड कंजर्वेशन विषय पर एक महत्वपूर्ण कन्वर्जेंस कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता बजरंग कुमार दुबे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत दुर्ग ने की। इस कायशाला का संयुक्त रूप से आयोजन वॉटरएड इंडिया एवं महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के सहयोग से किया गया। कार्यशाला में वॉटरएड इंडिया से डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर सौरभ कुमार एवं मनरेगा के एपीओ अरदीप द्वारा संचालन किया गया। उन्होंने जिले में भूजल स्तर बढ़ाने, वर्षा जल संचयन को प्रोत्साहित करने तथा जल संरक्षण के प्रभावी एवं वैज्ञानिक तकनीकी उपायों पर विस्तार से जानकारी साझा की। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य ग्राम पंचायत एवं शहरी स्तर पर जल संरक्षण को सुदृढ़ करना, भूजल स्तर में वृद्धि हेतु विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय स्थापित करना तथा सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना रहा। इस अवसर पर लोक निर्माण विभाग, वन विभाग, शिक्षा विभाग, जल संसाधन (तांदुला) विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में ग्राम पंचायत स्तर पर सोक पिट निर्माण, वर्षा जल संचयन संरचनाओं के विकास एवं भूजल पुनर्भरण कार्यों की आवश्यकता तथा उनके तकनीकी पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। शिक्षा विभाग को निर्देशित किया गया कि जिले के लगभग 450 विद्यालयों में सोक पिट निर्माण सुनिश्चित किया जाए। वहीं लोक निर्माण विभाग को अपने सभी निर्माण कार्यों में सोक पिट को अनिवार्य रूप से शामिल करने के निर्देश दिए गए।

नगर निगम भिलाई, नगर निगम दुर्ग, नगर निगम चरोदा एवं नगर निगम रिसाली को भवनों एवं आवासीय परिसरों में 100' सोक पिट एवं रिचार्ज पिट निर्माण को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए, जिससे वर्षा जल का अधिकतम संचयन एवं भूजल पुनर्भरण सुनिश्चित किया जा सके। कार्यशाला में यह भी रेखांकित किया गया कि वर्षा जल ही जल का प्रमुख स्रोत है, अतः इसके संरक्षण एवं संचयन हेतु सरल, टिकाऊ एवं वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाना आवश्यक है। वन विभाग द्वारा 1538 कंटूर ट्रेंच निर्माण की जानकारी दी गई, जिसे श्रेष्ठ पोर्टल में प्रविष्ट करने के निर्देश दिए गए। लोक निर्माण विभाग को समस्त निर्मित संरचनाओं में सोक पिट निर्माण सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए।

प्रतिभागियों को वर्षा जल संचयन, रन-ऑफ जल को भू-स्तर में संग्रहित करने की तकनीक तथा भूजल भंडारण क्षमता बढ़ाने के व्यावहारिक उपायों की जानकारी दी गई। साथ ही यह निर्णय लिया गया कि ग्राम स्तर से लेकर शहरी स्तर तक जनसहभागिता बढ़ाने हेतु समुदाय एवं गैर-सरकारी संगठनों के साथ समन्वय स्थापित किया जाएगा, जिससे जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप दिया जा सके। अंत में सभी विभागों को निर्देशित किया गया कि वे तकनीकी मानकों के अनुरूप वर्षा जल संचयन एवं भूजल पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण कर जिले में जल सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में ठोस एवं समन्वित प्रयास करें।

खास खबर

दुर्ग नगर निगम में 6 कर्मचारियों को मिली पदोन्नति, महापौर बाघमार ने सौंपे आदेश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम दुर्ग में महापौर अलका बाघमार द्वारा सामान्य प्रशासन प्रभारी मनीष साहू, एमआईसी सदस्य देव नारायण चंद्राकर, शेखर चंद्राकर, शशि साहू, हर्षिका संभव जैन, खालिक रिजवी तथा उपायुक्त मोहेंद्र साहू की उपस्थिति में निगम के 6 कर्मचारियों को पदोन्नति पत्र प्रदान किए गए। आयुक्त सुमित अग्रवाल की अधिकारिता के अधीन आयोजित विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक में की गई अनुशंसा के आधार पर यह पदोन्नति प्रदान की गई। सहायक राजस्व निरीक्षक से राजस्व उप निरीक्षक के पद पर ईश्वर वर्मा और थान सिंह यादव, राजस्व उप निरीक्षक से राजस्व निरीक्षक के पद पर निशांत यादव को पदोन्नत किया गया। वहीं महेंद्र कुमार धमकरि को भृत्य पद से सहायक ग्रेड-3, भृत्य से सहायक राजस्व निरीक्षक के पद पर रमेश कुमार तथा गणेशराम सिन्हा को पदोन्नति प्रदान की गई।

इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने कहा कि निगम के कर्मचारी ही शहर की व्यवस्था की रीढ़ हैं। उनकी मेहनत, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के कारण ही नगर निगम की योजनाएं धरातल पर सफल हो पाती हैं। पदोन्नति केवल पद परिवर्तन नहीं, बल्कि जिम्मेदारियों में वृद्धि और जनता के प्रति और अधिक संवेदनशील होकर कार्य करने का अवसर है। उन्होंने सभी पदोन्नत कर्मचारियों से अपेक्षा की कि वे नई जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा और पारदर्शिता के साथ करेंगे।

उक्त पदोन्नति छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग (नियम शाखा), मंत्रालय, नदी भवन, नया रायपुर अटल नगर द्वारा जारी परिपत्रों तथा संबंधित याचिका/अपील प्रकरणों में पारित अंतिम निर्णयों के अधीन होगी। पदोन्नति प्राप्त कर्मचारियों को आदेश जारी होने की तिथि से 15 दिवस के भीतर पदोन्नत पद पर कार्यभार ग्रहण करना होगा, अन्यथा आदेश स्वतः निरस्त माना जाएगा।

श्रद्धांजलि सभा आज

भिलाई। दिवंगत पंडित बृजमोहन कुमार बाजपेई का निधन कान्यकुब्ज सामाजिक चेतना मंच भिलाई-दुर्ग के लिए एक अपूर्णीय क्षति है। उनकी पुण्य स्मृति में 28 फरवरी को संध्या 5 बजे से 7 बजे तक एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन मानव आश्रम, सेक्टर-1 में किया जाएगा। श्रद्धांजलि सभा में बाजपेई से जुड़े संस्मरण साझा किये जाएंगे। श्रद्धांजलि सभा में छत्तीसगढ़ गढ़ के ख्यातिप्राप्त भजन गायक प्रभंजय चतुर्वेदी अपनी भजनांजलि अर्पित करेंगे। वियोग की इस बेला में आपकी संवेदनापूर्ण उपस्थिति कान्यकुब्ज सामाजिक चेतना मंच भिलाई-दुर्ग को धैर्य का संबल प्रदान करेगी।

शिक्षित समाज से ही देश का विकास संभव है-कैबिनेट मंत्री लखन देवांगन

छत्तीसगढ़ के निर्माण व समृद्धि में देवांगन समाज का महत्वपूर्व योगदान है - विधायक ललित चंद्राकर

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली

रिसाली प्रगति नगर स्थित परमेश्वरी भवन में देवांगन जनकल्याण समिति द्वारा आयोजित मां परमेश्वरी महोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम संपन्न हुआ इस कार्यक्रम देवांगन समाज के गौरव कैबिनेट मंत्री लखन देवांगन व दुर्ग ग्रामीण विधायक व राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर सम्मिलित होकर देवांगन समाज की इष्ट देवी मां परमेश्वरी की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया और समाज एवं क्षेत्रवासियों की खुशहाली की कामना की इस अवसर पर समाज के उत्कृष्ट बच्चों व वरिष्ठ नागरिकों को भी सम्मानित कर उनके उज्वल भविष्य की कामना की गई।

सामाजिक पत्रिका का विमोचन

इस अवसर पर अपने संबोधन में कैबिनेट मंत्री लखन देवांगन ने कहा, "देवांगन समाज के उत्थान के लिए शिक्षा बहुत जरूरी है। शिक्षित समाज से ही देश का विकास संभव है। समाज के विकास के लिए एकता बहुत जरूरी है। समाज वही जिसमें सब समाहित हो जाए। आज समाज के उत्थान के लिए परस्पर एक दूसरे का सहयोग व कुछ पुरानी रूढ़िवादी विचारों व परंपरा को त्याग करने की आवश्यकता है।" उन्होंने कहा, "देवांगन समाज की संस्कृति और परंपरा बहुत ही समृद्ध है। हमें अपनी संस्कृति को बचाए रखना होगा और आगे बढ़ाना होगा। हमें अपने समाज के लोगों को जागरूक करना होगा और उन्हें हमारी सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाना होगा।"

विधायक ललित चंद्राकर ने कहा, "देवांगन समाज मेहनती समाज के रूप में माना जाता है। छत्तीसगढ़ के निर्माण व समृद्धि में देवांगन समाज का महत्वपूर्व योगदान है। इससे पूर्ववर्ती भारतीय जनता पार्टी की सरकार समय तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह द्वारा भी समाज के उत्थान हेतु बुनकरों का कर्ज माफ करने के साथ साथ उनके उत्थान हेतु विभिन्न योजनाएं चलाई गई थीं। विष्णुदेव सरकार द्वारा निचले स्तर तक योजनाओं के पहुंचने का कार्य किया जा रहा है।"

उन्होंने आगे कहा, "शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक विकास के क्षेत्र में देवांगन समाज ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आज भी समाज के लोग विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। हमें अपने समाज के युवाओं को प्रोत्साहित करना होगा और उन्हें शिक्षा और रोजगार के अवसर प्रदान करने होंगे।"

इस दौरान खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष राकेश पाण्डेय अध्यक्ष रामानंद देवांगन तुलसी साहू, सचिव सोहन लाल देवांगन, कोषाध्यक्ष रेशम देवांगन डॉ. मनीष डॉ. सूर्य मंगल, राजेश देवांगन शंकर देवांगन भूषण देवांगन महिला अध्यक्ष कल्पना देवांगन महेन्द्र देवांगन, चंद्रकुमार देवांगन राजेन्द्र लिमजे, पार्षद मनीष यादव, पार्षद धर्मेन्द्र भगत अजीत चौधरी सहित देवांगन समाज के सम्मानित नागरिक उपस्थित रहे।

नवनियुक्त पदाधिकारियों ने ताम्रध्वज साहू से की मुलाकात, जताया आभार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के ब्लॉक कांग्रेस कमेटी क्र 6 रिसाली के अध्यक्ष दिनेश पटेल के नेतृत्व में ब्लॉक के नवनियुक्त पदाधिकारियों द्वारा छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू से सौजन्य भेंट कर आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

इस अवसर पर पूर्व गृहमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता ताम्रध्वज साहू ने ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त पदाधिकारियों से मुलाकात कर उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उन्होंने पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और संगठन सृजन के तहत नये कांग्रेस पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां निभाते हुए पार्टी को सक्रिय बनाने का आग्रह किया, जो पार्टी के लिए एक नई ऊर्जा का संचार करेगा।

इस दौरान दुर्ग-ग्रामीण विधानसभा में संगठन की वर्तमान गतिविधियों, आगामी कार्यक्रमों एवं भविष्य की रणनीति को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। ताम्रध्वज साहू ने आगे कहा कि कांग्रेस की असली ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। जनसेवा, संघर्ष और एकजुटता के माध्यम से संगठन लगातार मजबूत हो जनता के मुद्दों की आवाज प्रभावी रूप से उठाई जाये। ताम्रध्वज साहू के आव्हान पर उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने संगठन की मजबूती, बूथ स्तर तक कार्य विस्तार एवं जनसमस्याओं के निराकरण हेतु प्रतिबद्ध होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर एवं ब्लाक के सभी नवनियुक्त पदाधिकारी उपाध्यक्ष डोमार देशमुख, केकती देशमुख, जोसेफ साबू, मीडिया प्रभारी राजेश साहू, सह-मीडिया प्रभारी दीपक टंडन, महामंत्री वीरेंद्र पाल, तरुण बंजारे, रामनाथ यादव, सचिव शिशिर साहू, उत्तम कुमार देशलहरे, जयंती महानंद, वजिऊद्दीन सिद्दीकी, सीमा लादेर, विनय गजपाल, दुधे राम जंघेल, प्रियंका गौतम, सह-सचिव राहिल खान, सी.पी. देशलहरे, माया रानी, दिनेश बेंजामिन, संजू राव, शबनम बेगम एवं अन्य कांग्रेसी भिखम प्रसाद, अभिषेक, ईश्वर साहू, मोनू तिवारी, रिवेन्द्र यादव, टिकेश्वरी लाल देशमुख, योगिता चन्द्राकर, लक्ष्मी साहू, उत्तरा कोसरे, प्रदीप चन्द्राकर, कृष्णा देवांगन, डॉ पिलेश्वर साहू, जामवंत गजपाल, घनश्याम गजपाल, रुपेश देशमुख, मुकुंद पारकर, बहादुर नेताम सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कलेक्टर अभिजीत सिंह धान उठाव में तेजी लाने के दिए सख्त निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में जिला कलेक्टोरेट सभाकक्ष में राइस मिलर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में धान उठाव की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि डीओ कटने के बाद भी धान का उठाव अपेक्षित गति से नहीं हो रहा है, जिससे समितियों में धान का भंडारण बढ़ रहा है। उन्होंने 28 फरवरी तक शत-प्रतिशत डीओ कटवाकर उठाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही 15 मार्च तक सभी समितियों से धान उठाव पूर्ण करने की समय-सीमा तय की। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि उठाव के समय जिन स्थानों के लिए टैगिंग की जा चुकी है, उसमें किसी प्रकार का परिवर्तन न किया जाए। इस संबंध में नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में एफआरके (फोर्टिफाइड राइस कर्नेल) के वितरण एवं उठाव की भी समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मिलिंग के साथ-साथ एफआरके की निर्धारित मात्रा का भी समय पर उठाव सुनिश्चित किया जाए, ताकि सार्वजनिक वितरण प्रणाली में किसी प्रकार की बाधा न आए। बैठक में मिलर्स ने डीओ कटवाकर उठाव में तेजी लाने पर सहमति जताई और प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। श्री सिंह ने सभी मिलर्स को निर्देश दिए कि मार्च माह में पीडीएस के तहत चावल वितरण सुनिश्चित करने के लिए दो दिवस के भीतर टैगिंग अनुसार चावल संबंधित गोदामों में जमा कराएं। इसके अलावा उसना मिलिंग की गति बढ़ाने के निर्देश देते हुए कलेक्टर ने शेष लक्ष्य अनुसार डीओ के लिए आवेदन प्रस्तुत करने को कहा, ताकि धान उठाव एवं मिलिंग कार्य समय-सीमा में पूर्ण हो सके। इस अवसर पर खाद्य नियंत्रक अनुराग भदौरिया, जिला विपणन अधिकारी राहुल कुमार, नागरिक आपूर्ति निगम से नीलिमा ठक्कर उपस्थित थी।

ईडब्ल्यूएस की जमीन पर बनेगा सामुदायिक शौचालय : महापौर सिन्हा

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली

रिसाली महापौर शशि सिन्हा ने वार्ड 29 लक्ष्मी नगर स्थित ईडब्ल्यूएस की जमीन को संरक्षित करते हुए सामुदायिक शौचालय की मांग की है। उन्होंने वार्ड के प्रभारी उपअभियंता को शीघ्र प्राक्कलन तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है। महापौर ने नागरिकों से विकास संबंधी चर्चा भी की।

भ्रमण के दौरान नागरिकों की मांग रखी है कि वार्ड में सामुदायिक शौचालक के साथ अलग से यूरिनल बनाया जाए। इस मांग को शीघ्र पूरा करने का निवेदन भी किया। महापौर शशि सिन्हा ने इसे गंभीरता से लेते हुए ईडब्ल्यूएस की जमीन पर शौचालय बनाने प्रस्ताव कर शीघ्र शासन को प्रेषित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा नागरिकों ने कर्मा भवन के निकट सुलभ शौचालय निर्माण करने के भी निर्देश दिए है। भ्रमण के दौरान महापौर के साथ स्वास्थ्य विभाग प्रभारी संजू नेताम, जहीर अब्बास, व अनिल देशमुख उपस्थित थे।

सफाई व्यवस्था पर फोकस

महापौर शशि सिन्हा निरीक्षण के दौरान वार्ड में सफाई व्यवस्था कार्य की समीक्षा की। उन्होंने एजेंसी को संसाधन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। महापौर का कहना था कि वार्ड सुपरवाईजर सफाई का लगातार मॉनिटरिंग करें। किसी भी सुरत में गंदगी न पसरे ऐसी व्यवस्था करने निर्देश दिए। नागरिकों ने पेयजल समस्या को प्रमुखता से महापौर के समक्ष रखा। आमजनों का कहना था कि पिछले सात माह से पेयजल की समस्या बढ़ गई है।

महापौर ने स्थिति का जायजा लेने के बाद निर्देश दिए कि मोहन किराना के सामने बिछी पाइप लाइन को मुख्य पाइप लाइन में जोड़ा जाए और जल आपूर्ति की जाए। इसके अलावा नागरिकों ने शारदा विद्यालय गली स्थित शिव मंदिर में शीट लगाने और मोहन किराना के सामने टंकी निर्माण की मांग की है।

चौदहवीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता के चतुर्थ दिवस व्यक्तिगत व ग्रुप स्पर्धाओं के परिणाम घोषित

चौदहवीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता रहा रोमांचक

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

प्रथम वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, भिलाई (जिला दुर्ग) में आयोजित चौदहवीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता 2025-26 के चतुर्थ दिवस विभिन्न स्पर्धाओं के अंतर्गत रिकर्व, कंपाउंड एवं इंडियन राउंड के एलिमिनेशन, टीम एवं मिक्स्ड टीम इवेंट के फाइनल मुकाबले नियमानुसार सम्पन्न हुए। प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों एवं केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के पुरुष एवं महिला खिलाड़ियों ने सहभागिता की। निर्धारित स्कोरिंग प्रणाली के आधार पर व्यक्तिगत एवं ग्रुप इवेंट में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को पदक एवं पुरस्कार प्रदान किए गए। आयोजन अनुशासित, पारदर्शी एवं समयबद्ध रूप से संचालित किया जा रहा है।

व्यक्तिगत स्पर्धा पदक तालिका (चतुर्थ दिवस तक) : आईटीबीपी - 22 पदक, उत्तर प्रदेश - 11 पदक, सीआरपीएफ - 11 पदक, असम राइफल्स - 09 पदक, राजस्थान - 08 पदक, सीआईएसएफ - 07 पदक, बीएसएफ - 07 पदक, एसएसबी - 06 पदक, महाराष्ट्र - 05 पदक, पंजाब - 05 पदक, असम - 01 पदक शामिल हैं।

ग्रुप इवेंट पदक की स्थिति : आईटीबीपी - 03 पदक, उत्तर प्रदेश - 03 पदक, असम राइफल्स - 02 पदक, सीआरपीएफ - 02 पदक, बीएसएफ - 02 पदक, एसएसबी - 02 पदक, असम - 01 पदक, महाराष्ट्र - 01 पदक, सीआईएसएफ - 01 पदक, राजस्थान - 0, पंजाब - 00 शामिल हैं।

आयोजन के दौरान कुछ महिला पुलिस अधिकारियों द्वारा अपने परिवारजनों एवं बच्चों के साथ उपस्थित दर्ज कराई गई, जिससे प्रतियोगिता स्थल पर सकारात्मक एवं प्रेरक वातावरण परिलक्षित हुआ। यह सहभागिता पुलिस परिवारों के मध्य सामंजस्य एवं खेल भावना को दर्शाती है।

प्रतियोगिता का संचालन भारतीय तीरंदाजी संघ के तकनीकी दिशा-निर्देशों के अनुरूप किया जा रहा है। आयोजन स्थल पर सुरक्षा, चिकित्सा सहायता एवं यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

पदक वितरण समारोह में उपस्थित वरिष्ठ अधिकारी : मुख्य अतिथि विवेकानंद सिन्हा, भापुसे, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, अभिषेक शांडिल्य, भापुसे पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज, बीएसध्रुव भापुसे पुलिस महानिरीक्षक छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, सदानंद कुमार भापुसे उप पुलिस महानिरीक्षक, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, इंद्रा कल्याण भापुसे, उप पुलिस महानिरीक्षक, राजेश कुकरेजा भापुसे, उप पुलिस महानिरीक्षक/सेनानी एवं खेल अधिकारी प्रथम वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल भिलाई, विजय अग्रवाल, भापुसे उप पुलिस महानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, दुर्ग, श्रीमती प्रज्ञा मेश्राम उप सेनानी सप्तम वाहिनी, श्रीमती सबा अंजुम उप सेनानी प्रथम वाहिनी तथा अन्य राजपत्रित अधिकारी एवं आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

चतुर्थ दिवस के सफल आयोजन में प्रथम वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, आयोजन समिति, तकनीकी अधिकारियों तथा ड्यूटी में तैनात पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों की समन्वित एवं सक्रिय भूमिका रही। दुर्ग पुलिस नागरिकों से अपील करती है कि प्रतियोगिता के दौरान सुरक्षा एवं यातायात संबंधी निर्देशों का पालन करें तथा आयोजन की गरिमा एवं अनुशासन बनाए रखने में सहयोग प्रदान करें।

विद्यार्थियों को नि :शुल्क हेलमेट वितरित

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय एवं परिवहन आयुक्त कार्यालय, नवा रायपुर द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के तहत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा शासकीय आईटीआई पुलगांव में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा नियमों के पालन हेतु प्रेरित किया गया तथा लगभग 40 छात्र-छात्राओं को नि:शुल्क हेलमेट वितरित किए गए। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को हेलमेट पहनने, कार चलाते समय सीट बेल्ट लगाने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, आपातकालीन वाहनों को रास्ता देने, वैध ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने एवं वाहन के सभी आवश्यक दस्तावेज पूर्ण रखने की अपील किया गया। उन्होंने बताया कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन कर ही दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। कार्यक्रम में परिवहन विभाग के क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी एसएल लकड़ा, परिवहन निरीक्षक अरूणा साहू, सुभाष बंजारे सांख्यिकी अधिकारी, लोकेश पाटिल सहित संस्था के प्रभारी प्राचार्य मिथलेस सोनखुटिया, प्रशिक्षण अधिकारी बी. कुमार, ज्योति प्रसाद एवं पुष्पा देवांगन उपस्थित रहे।

हरित स्मार्ट: मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सिटी गैस अवसंरचना का किया शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में सिटी गैस अवसंरचना परियोजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने सीएनजी युक्त वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और रायपुर नगर निगम की पहली पाइपलाइन गैस उपभोक्ता श्रीमती पूनम चौबे से संवाद कर घरेलू उपयोग में पाइपलाइन गैस की सुविधा के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ अपने गठन के 25 वर्ष पूरे कर रजत जयंती वर्ष मना रहा है और इन वर्षों में प्रदेश ने विकास के अनेक आयाम स्थापित किए हैं। सिटी गैस अवसंरचना परियोजना इस विकास यात्रा में एक नई उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि यह पहल केवल नई सुविधा नहीं, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण और आधुनिक अधोसंरचना की दिशा में प्रदेश का सशक्त संकल्प है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि अब मेट्रो शहरों की तर्ज पर डीपीएनजी (डोमेस्टिक पाइप्ड नेचुरल गैस) के माध्यम से घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को पाइपलाइन से गैस उपलब्ध होगी। इससे घरेलू उपभोक्ताओं को रिफिलिंग की झंझट से मुक्ति मिलेगी और सुरक्षा भी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि सस्ती और सुलभ ऊर्जा मिलने से उद्योग क्षेत्र को भी गति मिलेगी तथा प्रदेश में निवेश की संभावनाएं सशक्त होंगी। मुख्यमंत्री ने एचसीजी समूह को बधाई देते हुए अपेक्षा व्यक्त की कि वे रायपुर सहित बलौदाबाजार और गरियाबंद जिले में शीघ्र ही

सीएनजी स्टेशनों का व्यापक नेटवर्क विकसित करेंगे। उन्होंने कहा कि वाहनों में सीएनजी के उपयोग से प्रदूषण में कमी आएगी और आम नागरिकों के ईंधन खर्च में भी राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में प्रस्तुत राज्य बजट में अधोसंरचना विकास के लिए महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। सरकार का लक्ष्य है कि शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध हों और प्रदेशवासियों को मेट्रो शहरों जैसी सुविधाओं का अनुभव हो। उन्होंने कहा कि विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ चलें, इस दिशा में सरकार ग्रीन एनर्जी को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे स्वच्छ ईंधन अपनाकर पर्यावरण संरक्षण में सहभागी बनें और हरित, विकसित एवं आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ के निर्माण में योगदान दें।

उल्लेखनीय है कि सिटी गैस अवसंरचना परियोजना रायपुर, बलौदाबाजार और गरियाबंद जिलों में प्रारंभ की गई है। इसके माध्यम से घरेलू उपयोग तथा व्यावसायिक प्रतिष्ठानों हेतु पाइपलाइन द्वारा पीएनजी की आपूर्ति की जाएगी तथा वाहनों के लिए सीएनजी भी उपलब्ध होगा। कार्यक्रम में एचसीजी समूह के प्रबंध निदेशक राहुल चोपड़ा, निदेशक राजीव माथुर, अध्यक्ष दीपक सावंत, राकेश रंजन, गैल इंडिया के प्रतिनिधि एवं उद्योग जगत के लोग उपस्थित रहे।

खास खबर

छग राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा स्थानीय निकायों के आम-उपचुनावों की तैयारी प्रारंभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग में आज एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी यशवंत कुमार तथा राज्य निर्वाचन आयोग की सचिव श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी सहित वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने स्थानीय निकायो के आगामी आम एवं उप निर्वाचन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित विभागों के मध्य बेहतर समन्वय अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने विशेष रूप से निर्वाचक नामावली के अद्यतन कार्य को प्राथमिकता देते हुए निर्देश दिए कि आगामी आम /उप निर्वाचन हेतु आवश्यक ,निर्वाचक नामावली तैयार करने के लिए भारत निर्वाचन आयोग से विधानसभा क्षेत्रवार निर्वाचक नामावली का अद्यतन डाटा शीघ्र उपलब्ध कराया जाए। उक्त नामावली प्राप्त होते ही जिससे स्थानीय निकाय के आगामी निर्वाचन हेतु समयबद्ध एवं त्रुटिरहित निर्वाचक नामावली तैयार की जाएगी तथा निर्वाचन कार्यक्रम जारी किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के नगरीय निकायो में अध्यक्ष के 6 एव पार्षद के 75 पद तथा ग्रामीण निकायों में जनपद पंचायत सदस्य के 06 पद, सरपंच के 70 पद तथा पंच के 977 पद रिक्त हैं जिन पर आम/उप चुनाव अपेक्षित हैं ।

वन विकास निगम में डिजिटल क्रांति और रोजगार संगम का सफल मॉडल

रायपुर। वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के कवर्धा परियोजना मंडल अंतर्गत बोड़ला काष्ठागार में डिजिटल प्रणाली लागू कर कार्यों को अधिक पारदर्शी और सरल बनाया गया है। साथ ही स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार देकर इसे ह्यडिजिटल क्रांतिह्य और ह्यरोजगार संगमह्य का सफल उदाहरण बनाया गया है।

काष्ठागार में लगभग 2500 घन मीटर इमारती लकड़ी और 1200 नग जलाऊ लकड़ी का वैज्ञानिक तरीके से भंडारण किया गया है। लकड़ी की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए नियमित जांच और लंबाई के अनुसार छंटाई की व्यवस्था की गई है। इससे लकड़ी लंबे समय तक सुरक्षित रहती है और नीलामी के दौरान खरीदारों को बेहतर सुविधा मिलती है।

काष्ठागार में अब अधिकतर कार्य ऑनलाइन और डिजिटल माध्यम से किए जा रहे हैं। प्राप्त लकड़ी का डिजिटल पंजीयन कर व्यवस्थित लॉट तैयार किए जा रहे हैं। लकड़ी और जलाऊ लकड़ी की नीलामी पूरी तरह ऑनलाइन की जा रही है, जिससे पारदर्शिता बढ़ी है और राजस्व में वृद्धि हुई है। खरीदारों को ऑनलाइन भुगतान की सुविधा दी गई है, जिससे समय और श्रम की बचत हो रही है। सेल संकल्प, कार्य आदेश और परिवहन अनुमति जैसे दस्तावेज ऑनलाइन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

बोड़ला काष्ठागार केवल लकड़ी भंडारण केंद्र नहीं, बल्कि ग्रामीणों के लिए रोजगार का माध्यम भी बन रहा है। लकड़ी की छंटाई, लॉट निर्माण और लोडिंग जैसे कार्यों में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता दी जा रही है। इससे ग्रामीणों को गांव के पास ही नियमित रोजगार मिल रहा है और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है। इस प्रकार वन विकास निगम का यह प्रयास शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का उत्कृष्ट उदाहरण है। डिजिटल व्यवस्था से जहां कार्यों में पारदर्शिता आई है, वहीं रोजगार के अवसर बढ़ने से स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है।

बीएसएपी की कार्यप्रणाली से परिचित हुई अधिकारियों की जीवन पत्नियां

भ्रमण

यूनिवर्सल रेल मिल में 'आप भी जानिए' कार्यक्रम का आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन कार्यालय, मिल्स जोन-2 द्वारा 25 फरवरी को यूनिवर्सल रेल मिल में कार्यरत अधिकारियों की पत्नियों के लिए 'आप भी जानिए' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों के परिवारों को संयंत्र की कार्यप्रणाली, सुरक्षा मानकों तथा उत्पादन प्रक्रिया से अवगत कराना तथा सुरक्षित एवं सकारात्मक कार्यसंस्कृति में उनकी सहभागिता सुनिश्चित करना है।

कार्यक्रम का उद्घाटन मानव संसाधन-एल एंड डी में आयोजित समारोह के साथ हुआ। इस अवसर पर महाप्रबंधक प्रभारी विशाल गुप्ता, महाप्रबंधक प्रभारी जे. एन. ठाकुर, महाप्रबंधक के. सुपर्णा तथा उप महाप्रबंधक प्रताप शेखर नायक सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। महाप्रबंधक प्रभारी जे. एन. ठाकुर ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए कहा कि आप भी जानिए कार्यक्रम का उद्देश्य परिवारों को अधिकारियों के कार्यस्थल, दायित्वों एवं चुनौतियों से परिचित कराना है, ताकि वे सुरक्षित कार्यप्रणाली के प्रति अपने परिजनों को प्रेरित कर सकें।

महाप्रबंधक प्रभारी विशाल गुप्ता ने अपने संबोधन में सुरक्षित कार्यशैली में परिवार की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए सहभागियों से अनुरोध किया कि वे घर का वातावरण सकारात्मक एवं तनावमुक्त बनाए रखने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि पारिवारिक सहयोग से कार्यस्थल पर एकाग्रता, सजगता एवं सुरक्षा अनुपालन में वृद्धि होती है। भ्रमण प्रारंभ होने से पूर्व विभागीय सुरक्षा अधिकारी ओमप्रकाश देवांगन द्वारा प्रतिभागियों को आवश्यक सुरक्षा निर्देशों एवं सावधानियों से अवगत कराया गया। महाप्रबंधक सुश्री के. सुपर्णा ने कच्चे माल से लेकर तैयार उत्पाद तक स्टील निर्माण प्रक्रिया को संक्षिप्त रूप में समझाते हुए संयंत्र की समग्र कार्यप्रणाली की जानकारी साझा की। कार्यक्रम के अंतर्गत सहभागियों को ब्लास्ट फर्नेस-8, एस.एम.एस.-3, प्लेट मिल, रोज गार्डन तथा यूनिवर्सल रेल मिल का भ्रमण कराया गया। इस दौरान उन्हें आधुनिक उत्पादन तकनीकों, गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली तथा सुरक्षा प्रोटोकॉल की जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में कुल 17 महिलाओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रबंधक सुश्री एस शिरीन द्वारा किया गया तथा प्रबंधक सुश्री अवंती वुचुला द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम की सफलता में जसबीर सिंह, बहोरन लाल साहू, श्रीमती लक्ष्मी देवी साहू, अशरफ अली, भुवन लाल साहू एवं सुश्री सोनम रामटेके का विशेष योगदान रहा। उप महाप्रबंधक प्रताप शेखर नायक ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। मानव संसाधन कार्यालय, मिल्स जोन-2 द्वारा सहभागियों से फीडबैक भी प्राप्त किया गया। सहभागियों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि संयंत्र भ्रमण का यह उनका पहला अनुभव था, जिसने उन्हें अपने जीवनसाथी के कार्यस्थल, चुनौतियों एवं योगदान को निकट से समझने का अवसर प्रदान किया।

सीएम साय ने दी जशपुर जिले को बड़ी सौगात 30.59 करोड़ की 9 सड़कों को मिली मंजूरी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले को विकास की नई रफ्तार देते हुए 9 महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण के लिए कुल 30 करोड़ 59 लाख की स्वीकृति प्रदान की है। इन परियोजनाओं से ग्रामीण अंचलों में आवागमन सुगम होगा, व्यापार-व्यवसाय को बढ़ावा मिलेगा और शिक्षा-स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच आसान होगी। दो वर्षों के भीतर मिली इस करोड़ों की सौगात से जिले की सड़क व्यवस्था का व्यापक कायाकल्प हो रहा है।

क्षेत्रवासियों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे ऐतिहासिक पहल बताया है। जिले के ढूंडगजोर (सरसमार) से चिढ़रापारा पत्थलगांव तक 2 किमी 1 करोड़ 96 लाख, ग्राम ढोंगादरहा से अम्बाकछार मार्ग 3 किमी 4 करोड़ 84 लाख, ग्राम पंचायत मुड़ापारा (हड्डी गोदाम मेन रोड) से घिंचापानी होते हुए पंगसुवा मार्ग 4.85 किमी 4 करोड़ 26 लाख, ग्राम कोतबा से सरईकोना होते हुए पिकपारा मार्ग 4.60 किमी 4 करोड़ 59 लाख, कांसाबेल के बटाईकला प्रेमनगर से मारचाईढोढ़ी मार्ग 2.90 किमी, 2 करोड़ 79 लाख, कांसाबेल खूंटीटोली बस्ती से चेतबा हाई स्कूल मार्ग 2 किमी 2 करोड़ 4 लाख, कांसाबेल कोरंगा से नवाटोली से भागलपुर मार्ग 2 किमी 2 करोड़ 14 लाख, कुड़केल खजरी के पटेल पारा से बगई झरिया मार्ग 3.80 किमी 3 करोड़ 28 लाख, कोकिया खार से आमकानी मेन रोड तक 4 किमी 4 करोड़ 69 लाख रुपए की मंजूरी मिली है।

करोड़ों की सौगात से विकास को मिलेगी रफ्तार

इन सड़कों के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों में यातायात की सुविधा बेहतर होगी, किसानों को अपनी उपज बाजार तक पहुंचाने में आसानी होगी तथा विद्यार्थियों को स्कूल-कॉलेज आने-जाने में राहत मिलेगी। क्षेत्रवासियों ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले में लगातार विकास कार्यों की सौगात मिल रही है, जिससे गांव-गांव में खुशहाली का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। यह स्वीकृति जशपुर जिले के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

ग्राम घुपसाल में जल संवर्धन फसल परिवर्तन में उत्कृष्ट कार्य के लिए किसानों को किया गया सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण अंतर्गत छुरिया विकासखंड के ग्राम घुपसाल में जिले के अंदर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रीष्मकालीन धान के बदले 100 प्रतिशत मक्का फसल में परिवर्तन कर जल संवर्धन फसल परिवर्तन उत्कृष्ट कार्य के लिए किसानों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर जनपद पंचायत सदस्य ओमप्रकाश चन्द्रवंशी, ग्राम पंचायत सरपंच नरेश शुक्ला, क्षेत्रीय ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सुदेश पटेल, कृषि विभाग के गौरीशंकर सहीश, डॉ. विकास सिंह, एबीस कंपनी के एक्जिक्यूटिव मैनेजर, प्रयाण टेरेटरी दुर्ग के मैनेजर सहित अधिकारी-कमर्चारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

छानबीन समिति की बैठक : 10 प्रकरणों पर की गई समीक्षा व सुनवाई, 4 प्रकरणों में आदेश जारी करने के दिए गए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा की अध्यक्षता में आज उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति की महत्वपूर्ण बैठक आदिम जाति अनुसंधान एक प्रशिक्षण संस्थान के सभाकक्ष, नवा रायपुर में संपन्न हुई।

बैठक में कुल 10 प्रकरणों की समीक्षा एवं सुनवाई की गई। इनमें जाति जांच प्रकरण से संबंधित 08 प्रकरणों में पक्षकार समिति के समक्ष उपस्थित हुए। 04 प्रकरणों में गुण-दोष के आधार पर विनिश्चय किए जाने का निर्णय करते हुए आदेश जारी करने के निर्देश दिए गए। इनमें एक डीजे स्तर के अधिकारी एवं एक ग्रामीण विकास विभाग में ईएनसी स्तर के अधिकारी भी शामिल हैं। 02 प्रकरणों में वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से सुनवाई की गई एवं पक्षकार को 10 दिवस के भीतर समिति के समक्ष उपस्थित होकर अपने पक्ष में प्रमाणित दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। 01 प्रकरण में विजिलेंस टीम को दुबारा मौके पर जाकर सोशल स्टेटस एवं अन्य प्रमाणित तथ्यों की गहन जांच कर 45 दिवस के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। जबकि 03 प्रकरणों में जाति प्रमाण पत्र धारकों को सुनवाई का एक और अंतिम अवसर प्रदान करते हुए आगामी बैठक में उपस्थित होकर अपनी जाति के संबंध में प्रमाणित दस्तावेज प्रस्तुत करन के निर्देश दिए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति द्वारा नियमित अंतराल में बैठक आयोजित कर जाति प्रमाण पत्र एवं सामाजिक प्रस्थिति से संबंधी प्रकरणों का निपटारा किया जा रहा है। सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालय से संबद्ध प्रकरणों पर भी नियमानुसार पारदर्शी एक समयबद्ध तरीके से सुनवाई कर प्रकरणों का शीघ्र निपटारा किया जा रहा है। आज की बैक में बड़ी संख्या में पक्षकार एवं अधिवक्ता अपना पक्ष प्रस्तुत करने हेतु उपस्थित हुए।

बैठक में आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास डॉ. सारांश मित्तर (सदस्य), संचालक, आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान श्रीमती हिना अनिमेष नेताम (सदस्य सचिव), संचालक लोक शिक्षण संचालनालय ऋतुराज रघुवंशी (सदस्य), संचालक, भू अभिलेख, विनीत नदनवार, संयुक्त संचालक, टीआरटीआई श्रीमती गायत्री नेताम (प्रभारी अधिकारी, जाति जांच पकोष्ठ), श्रीमती रमा उइके (सदस्य), डॉ. अनिल विरूलकर (सदस्य) सहित, विजिलेंस टीम से एमानुअल लकड़ा (डीएसपी), जितेन्द्र गुप्ता एवं श्रीमती अंजनी भगत इत्यादि उपस्थित थे।

विदित हो सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश में दिये गये मार्गदर्शी निर्देश एवं छत्तीसगढ़ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (सामाजिक प्रास्थिति के प्रमाणीकरण का विनियमन) अधिनियम 2013 में विहित प्रावधानों के अंतर्गत कुल 07 सदस्यीय उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति का गठन किया गया है। समिति अर्द्ध न्यायिक स्वरूप में कार्य करते हुए निष्पक्ष एंव समयबद्ध निर्णय सुनिश्चित कर रही है।

पीएम राहत योजना के तहत सड़क दुर्घटना पीड़ितों को कैशलेस उपचार की सुविधा

केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने ली वर्चुअल बैठक, परिवहन मंत्री कश्यप और स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल बैठक में हुए शामिल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सभी राज्यों के परिवहन और स्वास्थ्य मत्रियों के साथ पीएम राहत योजना की बैठक ली। इस बैठक में परिवहन मंत्री केदार कश्यप और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल वर्चुअल रूप से शामिल हुए और अपने सुझावों को रखा। बैठक में बताया गया कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा संचालित पीएम राहत योजना के अंतर्गत अब दुर्घटना पीड़ितों को ह्लगोल्डन ऑवरह्व में त्वरित और कैशलेस उपचार की सुविधा प्रदान की जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार दुर्घटना के बाद पहले एक घंटे के भीतर यदि पीड़ित को अस्पताल में भर्ती कराया जाए तो मृत्यु की संभावना 50 प्रतिशत तक कम हो सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए यह योजना प्रभावी रूप से लागू की गई है।

इस योजना के तहत भारत में कहीं भी मोटर वाहन से संबंधित सड़क दुर्घटना होने पर पीड़ित को तत्काल निकटतम सूचीबद्ध अस्पताल में भर्ती कराया जाएगा। यह उपचार आयुष्मान भारत (एबी-पीएम-जेएवाई) के अंतर्गत पंजीकृत अस्पतालों में उपलब्ध होगा। पीड़ित या उसके परिजनों से किसी प्रकार का अग्रिम भुगतान नहीं लिया जाएगा।

योजना के मुख्य बिंदु

परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने बताया कि प्रति पीड़ित, प्रति दुर्घटना अधिकतम 7 दिनों तक 1.50 लाख रुपये तक की सहायता, मोटर वाहन से जुड़ी सभी सड़क दुर्घटनाओं पर लागू होगी तथा पूर्णतः कैशलेस सुविधा और प्रदेश में योजना के सुचारु क्रियान्वयन हेतु सभी 33 जिलों के कलेक्टरों के लिए रिजर्व बैंक में खाते खोले जा चुके हैं तथा टीएमएस और पीएफएमएस (Public Financial Management System) के माध्यम से सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। यह योजना सड़क दुर्घटना पीड़ितों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने और उनकी जान बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर परिवहन सचिव एस. प्रकाश भी उपस्थित रहे।

अस्पताल में प्रवेश एवं पंजीकरण

पीएम राहत योजना के तहत अस्पताल द्वारा पीड़ित की पहचान सत्यापित कर 24 घंटे के भीतर उसे टीएमएस (Transaction Management System) 2.0 पोर्टल पर पंजीकृत किया जाता है।

उपचार की व्यवस्था

बैठक में केंद्रीय अधिकारियों ने जानकारी दी कि योजना के अंतर्गत दुर्घटना की तिथि से अधिकतम 7 दिनों तक ट्रॉमा/पॉलीट्रॉमा पैकेज के अंतर्गत 1.50 लाख रुपये तक का कैशलेस उपचार उपलब्ध कराया जाता है।

रिपोर्टिंग और सत्यापन

अस्पताल द्वारा 24 घंटे के भीतर स्थानीय पुलिस को सूचना दी जाती है तथा दुर्घटना का विवरण इलेक्ट्रॉनिक विस्तृत दुर्घटना रिपोर्ट (EDAR) प्रणाली में दर्ज किया जाता है।

दावा प्रसंस्करण और भुगतान

अस्पताल द्वारा दावा राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के पोर्टल पर प्रस्तुत किया जाता है। स्वीकृत राशि का भुगतान मोटर वाहन दुर्घटना कोष (MVAF) से किया जाता है।

ई-रिक्शा से स्वावलंबन की मिसाल बनीं गीता दीदी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

कभी घरेलू कार्यों तक सीमित रहने वाली ग्रामीण महिलाएं अब स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भरता की ओर सशक्त कदम बढ़ा रही हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित 'बिहान' योजना ने महिलाओं को संगठित कर उनके आर्थिक विकास की मजबूत नींव रखी है। कलेक्टर चंदन त्रिपाठी के मार्गदर्शन में जिले में बिहान से जुड़ी महिलाओं को पारंपरिक कार्यों से आगे बढ़ाकर नए व्यवसायों से जोड़ा जा रहा है। इसी पहल का प्रेरक उदाहरण है ग्राम पंचायत रटगा की गीता दीदी, जो अब ई-रिक्शा से बच्चों को विद्यालय पहुंचाकर स्वावलंबन की राह पर अग्रसर हैं।

बैकुंठपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत रटगा की 14 महिलाओं ने वर्ष 2018 में जय मां लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह का गठन किया। समूह की अध्यक्ष चुनी गईं गीता दीदी ने वर्ष 2020 में पौधों की सुरक्षा हेतु ट्री-गार्ड

निर्माण कार्य शुरू किया। लगभग 50 हजार रुपये की सामूहिक लागत से शुरू हुए इस कार्य से समूह ने तीन लाख रुपये की आय अर्जित की, जिससे आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

वर्ष 2021 में गीता दीदी ने समूह के माध्यम से बैंक से व्यक्तिगत ऋण प्राप्त कर 70 हजार रुपये की लागत से किराना दुकान शुरू की। इससे उनके परिवार की दैनिक आय सुनिश्चित हुई और आर्थिक स्थिति में सुधार आया। गत वर्ष कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी द्वारा बिहान से जुड़ी महिलाओं को नए व्यवसायों से जोड़ने की पहल की गई।

मुख्यमंत्री के हाथों मिली ई-रिक्शा की चाबी : गत 17 फरवरी को कोरिया महोत्सव के अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के हाथों गीता दीदी को ई-रिक्शा की चाबी प्रदान की गई। इसके पश्चात उन्होंने अपने गांव में अभिभावकों से संपर्क कर बच्चों को विद्यालय पहुंचाने की सेवा प्रारंभ की। शुरुआत में ही उन्हें 5600 रुपये की अग्रिम राशि प्राप्त हुई और अब वे नियमित रूप से ग्राम पंचायत रटगा एवं आश्रित ग्राम दुधनियां के बच्चों को विद्यालय पहुंचा रही हैं।

संपादकीय

बजट में सबको कुछ न कुछ देने का प्रयास

परिवार का बजट हो या सरकार का बजट हो। उसमें प्रयास तो यही किया जाता है कि सबको कुछ न कुछ देकर खुश किया जाए ताकि कोई शिकायत न करे कि हमारे को कुछ नहीं मिला। ज्यादातर लोग बजट को इसी नजरिए से देखते हैं कि हमारे को क्या मिला। हर वर्ग चाहता है कि उसे बजट में पहले से ज्यादा मिले। वह पहले ज्यादा सुविधाएं चाहता है और बेहतर लाभप्रद योजनाएं चाहता है ।साय सरकार के बजट में ऐसा किया गया है। कई लोग बजट में देखते हैं कि सरकार ने नया क्या किया है, नई कौन सी योजना लेकर आई है। अच्छा बजट वह माना जाता है जिससे राज्य के ज्यादा से ज्यादा से लोगों को फायदा मिले और राज्य में विकास की गति तेज बनी रहेलोगों को रोजगार मिले, लोगों की आय हर साल बढ़े।

छत्तीसगढ़ के तीनों बजट कई मायनों में परंपरागत बजट से अलग दिखाई देते है तो इसकी एक वजह राज्य के वित्त मंत्री ओपी चौधरी है। हर बार उनकी बजट की थीम अलग होता है ।यह राज्य का तीसरा बजट है इससे पहले के दो बजट ज्ञान व गति की थीम पर बनाए गए थे,तीसरा बजट संकल्प की थीम पर बनाया गया है ।संकल्प का मतलब है एस से समावेशी विकास यानी विकास का लाभ सभी समुदायों और सभी क्षेत्रों तक पहुंचे, ए से अधोसंरचना यानी राज्य के आर्थक विकास के लिए सड़क, सिंचाई, बिजली, शहरी विकास व डिजिटली कनेक्टिविटी का विस्तार करना ।एन से निवेश यानी औद्योगिक विकास के लिए राज्यमें अनुकूल माहौल बनाना ताकि रोजगार के ज्यादा से ज्यादा मौके मिलें ।के से कुशल मानव संसाधन यानी शिक्षा और कौशल से युवाओं को नए उभरते हुए क्षेत्रों के लिए तैयार करना ।ए से अंत्योदय यानी समाज के अंतिम व्यक्ति तक सभी जरूरी सेवाएं पहुंचाना,एल से लाइवलीहुड यानी कृषि, हस्तशिल्प व ग्रामीण उद्यमों को आधुनिक बनाना। पी यानी पालिसी से परिणाम तक यानी नीतियों के वास्तविक सकारात्मक प्रभाव तय करना ।संक्षेप में संकल्प थीम यानी छत्तीसगढ़ को हर तरह से विकसित छत्तीसगढ़ बनाना है।

साय सरकार के बजट में 17 पुरानी योजनाओं का लाभ तो लोगों को मिलता रहेगा। उसके लिए पर्याप्त पैसा दिया गया है। इसी के साथ साय सरकार के बजट में नई योजनाएं है, सीएम आदर्श शहर समृध्दि योजना, द्रुतगामी सड़क संपर्क योजना, छग वायु योजना, आस्था पथ योजना, युवा दर्शन योजना, छग एसीई योजना,रानी दुर्गावती योजना, विवेकानंद उत्कृष्ट शाला योजना, सीएम शिक्षा सहयोग योजना,लखपति दीदी भ्रमण योजना ।बजट में ज्यादातर विभागों को पहले से ज्यादा बजट दिया गया है। जैसे महिला एवं बालविकास, उद्योग व्यापार,उच्च शिक्षा, इलेक्ट्रानिक्स व आईटी, परिवहन, खेल एवं युवा कल्याण,जनसंपर्क, पशु पालन, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, को पहले से ज्यादा बजट मिला है, वहीं लोक निर्माण विभाग व जल संसाधन को पहले से कम बजट मिला है। आंकड़ों के मुताबिक रुपया सबसे ज्यादा बजट में जनता के कल्याण में 40 प्रतिशत, 36 प्रतिशत विकास व रोजगार में तथा 24 प्रतिशत सरकार चलाने में। इस तरह देखा जाए तो सरकार ज्यादा से ज्यादा पैसा जनता के कल्याण में खर्च करना चाहती है।

हर सरकार बजट में पैसा तय करती है और वह खर्च भी होता है लेकिन खर्च होने से क्या लाभ हुआ इसका पता भी खर्च होने के बाद चलना चाहिए ।समग्र शिक्षा मिशन के तहत 2014 से वोकेशनल कोर्स पर पैसा खर्च किया जा रहा है। 1.57 लाख छात्र पास हुए है लेकिन कितनों छात्रों का काम मिला। इसका कोई आंकड़ा नहीं है। यानी बजट में पैसा था, खर्च हुआ यह भी पता रहना चाहिए कि लाभ हुआ तो कितना लाभ हुआ। ऐसे पैसा खर्च करने का कोई अर्थ नहीं रह जाता है कि यही पता न रहे कि लाभ क्या हुआ। रायपुर शहर में पार्किंग के लिए तीन जगह 57 करोड़ रुपए खर्च कर मल्टीलेवल पार्किंग बनाए गए लेकिन वहां लोग गाड़ियां खड़ी नहीं करते हैं तो पैसा खर्च करने का क्या मतलब रह गया। लोग अपनी गाडियां सड़क पर ही खडी.करते हैं। करोड़ो रुपए खर्च कर शहर को सुंदर बनाने फव्वारे कई जगह लगाए गए वह बंद पड़े हैं। चौपाटी करोड़ों रुपए खर्च कर बनाया गया उसे हटा दिया गया। इसी तरह सरकारी पैसा बडी.लापरवाही से खर्च कर दिया जाता है और उसका लाभ लोगों को मिलता नहीं है।

बजट मे लोगों को यह देखकर तो अच्छा लगता है कि सरकार उसके और राज्य की बेहतरी के लिए क्या कुछ करना चाहती है। सरकार तो बेहतर से बेहतर सुविधाएं लोगों को देना चाहती है,योजनाओं का लाभ देना चाहती है लेकिन सरकारी तंत्र में नीचे से ऊपर तक फैले भ्रष्टाचार व लापरवाही के कारण न तो लोगों को सुविधाएं मिल पाती है और न योजनाओ का पूरा लाभ मिल पाता है। पैसा तो बजट का खर्च हो जाता है लेकिन उसका लाभ लोगों को कितना मिला इसका पता लोगों को चलता नहीं है। तंत्र के भ्रष्टाचार व लापरवाही के कारण बजट का हजारों करोड़ रुपए जो राज्य हित व जनहित में खर्च होना चाहिए नहीं होता है, वह भ्रष्ट लोगों की जेब में चला जाता है। बजट का पूरा लाभ लोगों को मिले इसके लिए साय सरकार को हर स्तर पर मानिटरिंग की व्यवस्था करनी चाहिए ताकि सरकारी पैसे का सदुपयोग हो ।पैसा खर्च हो उसका लाभ भी लोगों को मिलते दिखना चाहिए।

सू- दोकू क्र. 329

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 328 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3		2	5
1	8	9	3	6	7	2	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7

बस्तर से वैश्विक मंच तक छत्तीसगढ़ पर्यटन की नई उड़ान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ किर्सी वैरिनेन के प्रवास से छत्तीसगढ़ पर्यटन को नई दिशा

सामुदायिक पर्यटन मॉडल एवं यूएन बेस्ट टूरिज्म विलेज मानकों की दिशा में बढ़ते कदम

छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल में इन दिनों पर्यटन विकास की एक नई और सकारात्मक इबारत लिखी जा रही है। संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ और हिवा कोचिंग एंड कंसल्टिंग की संस्थापक सुश्री किर्सी वैरिनेन के छह दिवसीय प्रवास ने राज्य के पर्यटन क्षेत्र को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण गति प्रदान की है। उनका यह दौरा केवल औपचारिक भ्रमण नहीं, बल्कि स्थानीय समुदाय आधारित सतत पर्यटन मॉडल को वैश्विक मानकों से जोड़ने की ठोस रणनीतिक पहल के रूप में देखा जा रहा है।

दौरे के दूसरे दिन सुश्री किर्सी बस्तर जिले के ग्राम धुड़मारास पहुंचीं, जहां धुरवा डेरा होमस्टे में उनका पारंपरिक ढंग से स्वागत किया गया। सिहाड़ी और महुए की माला पहनाकर तथा धुरवा नृत्य और स्वागत गीतों के माध्यम से ग्रामीणों ने अपनी संस्कृति की जीवंत झलक प्रस्तुत की। आत्मीय स्वागत से अभिभूत सुश्री किर्सी ने कहा कि इस प्रकार का अनुभव उनके लिए अत्यंत विशेष और अविस्मरणीय है। यह स्वागत केवल सांस्कृतिक प्रदर्शन नहीं, बल्कि बस्तर की सामाजिक एकजुटता और आत्मीयता का सशक्त परिचय था।

प्रवास के दौरान उन्होंने बस्तर के पारंपरिक एवं जैविक व्यंजनों का स्वाद भी लिया। कलम भाजी, सेमी और बोदई की सब्जी, केले की सब्जी, उड़द दाल, इमली की चटनी, कोसरा भात तथा मंडिया पेज जैसे स्थानीय व्यंजनों से सजी थाली ने उन्हें यहां की जीवनशैली और खाद्य परंपरा से परिचित कराया। वैश्विक पर्यटन परिदृश्य में स्थानीय खान-पान एक प्रमुख आकर्षण बन चुका है और बस्तर की जैव विविधता आधारित खाद्य संस्कृति विदेशी पर्यटकों के लिए विशिष्ट पहचान बना सकती है।

यह प्रवास विशेष रूप से यूनाइटेड नेशन से जुड़े बेस्ट टूरिज्म विलेज अपग्रेड प्रोग्राम के मानकों के अनुरूप धुड़मारास और आसपास के क्षेत्रों को विकसित करने पर केंद्रित है। सुश्री किर्सी धुरवा डेरा होमस्टे में रहकर स्थानीय समुदाय, स्वयं सहायता समूहों, युवाओं और पर्यटन हितधारकों से संवाद कर सेवा गुणवत्ता, स्वच्छता प्रबंधन, डिजिटल प्रचार, ब्रांडिंग और होमस्टे संचालन के अंतरराष्ट्रीय मानकों पर मार्गदर्शन दे रही हैं। यह भ्रमण जिला प्रशासन तथा छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के समन्वय से आयोजित किया गया है।

प्रवास के दौरान उन्होंने विश्वप्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात में नौका विहार कर वहां की पर्यटन संभावनाओं का अवलोकन किया और मेंदरी घूमर क्षेत्र में स्थानीय हितग्राहियों के साथ पर्यटन गतिविधियों को विस्तार देने पर चर्चा की। चित्रकोट जलप्रपात पहले से ही राष्ट्रीय स्तर पर पहचान रखता है, किंतु अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ की उपस्थिति इसे वैश्विक प्रचार अभियानों से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर सकती है।

सुश्री किर्सी वैरिनेन के छह दिवसीय प्रवास का प्रभाव बहुआयामी होगा। एक ओर यह बस्तर को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने में सहायक सिद्ध हो सकता है, वहीं दूसरी ओर स्थानीय युवाओं और महिलाओं के लिए स्वरोजगार के स्थायी अवसर भी सृजित करेगा। सामुदायिक पर्यटन को संस्थागत आधार मिलने से आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि होगी और सतत विकास की अवधारणा को बल मिलेगा।

कभी नक्सल प्रभाव की पहचान से जुड़े रहे बस्तर की छवि अब प्रकृति, संस्कृति और सामुदायिक समृद्धि के मॉडल के रूप में उभर रही है। यदि धुड़मारास 'यूएन बेस्ट टूरिज्म विलेज' मानकों पर सफलतापूर्वक आगे बढ़ता है, तो यह मॉडल देश के अन्य ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के लिए भी प्रेरणा बन सकता है। सुश्री किर्सी 'वैरिनेन का यह प्रवास छत्तीसगढ़ के पर्यटन इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में दर्ज होने की संभावना रखता है, जो राज्य की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच तक पहुंचाने की दिशा में निर्णायक कदम साबित होगा।

अब फर्क नहीं पड़ता

डॉ. अजय आर्य, शिक्षक व मोटिवेशनल स्पीकर

सुनी-सुनाई बातों पर राय देना मनुष्य का सबसे पुराना और सबसे सस्ता शौक है। इसमें न प्रमाण चाहिए, न विवेक, न जिम्मेदारी। किसी ने कहा, किसी ने सुना और हमने उस पर निष्कर्ष भी सुना दिया। कई बार तो निर्णय सुनाते-सुनाते हम स्वयं ही भ्रम में पड़ जाते हैं कि यह बात हमने सुनी थी या स्वयं गढ़ ली थी। मजे की बात यह है कि ऐसी बातों पर सबसे अधिक वही लोग विचलित होते हैं, जिनका उस विषय से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं होता। शायद इसी कारण जीवन के एक मोड़ पर यह समझ विकसित होती है कि हर सुनी-सुनाई बात पर प्रतिक्रिया देना आवश्यक नहीं। यहीं से भीतर एक वाक्य जन्म लेता है-अब फर्क नहीं पड़ता। अब फर्क नहीं पड़ता-यह वाक्य किसी क्षणिक वैराग्य या क्षणभंगुर उदासी की उपज नहीं है, बल्कि जीवन को बार-बार परखने, टूटने-जुड़ने, अपमान और आत्मसंघर्ष से गुजरने के बाद भीतर उतरी हुई शांति की सघन अभिव्यक्ति है। एक समय था जब छोटी-छोटी बातों पर मन व्याकुल हो उठता था। कौन क्या सोच रहा है, किसने क्या कहा, मेरी छवि कैसी बन रही है-इन प्रश्नों का शोर भीतर लगातार गूँजता रहता था। प्रशंसा से मन फूल उठता और आलोचना से आत्मविश्वास डगमगा जाता। तब जीवन मानो दूसरों की दृष्टि और स्वीकृति पर टिका हुआ था और हर बात पर फर्क पड़ता था। धीरे-धीरे अनुभवों ने जीवन को विस्तार दिया। संघर्ष आए, असफलताएँ मिलीं और आत्मचिंतन के लंबे क्षणों ने दृष्टि को गहरा किया। धर्म और अध्यात्म की ओर झुकाव हुआ, पृथ्वी की विराटता और समय की अनंतता का बोध हुआ। तब पहली बार यह स्पष्ट हुआ कि इस विशाल सृष्टि में मेरी सीमाएँ क्या हैं। जब अपनी औकात का सच्चा बोध हुआ, तो हैसियत से अधिक चाहने की बेचैनी स्वतः शांत होने लगी। इच्छाएँ रहीं, पर उनमें जिद नहीं रही; सपने रहे, पर उनमें अहंकार नहीं रहा। इसी आत्मबोध के बीच वह अत्यंत लोकप्रिय शेर मन को आईना दिखाता है-

उम्र भर ग़ालिब यही भूल करता रहा,
धूल चेहरे पर थी और आईना साफ करता रहा।

इस शेर में जीवन का गूढ़ सत्य छिपा है। हम अक्सर दोष बाहर खोजते रहते हैं, परिस्थितियों को कोसते हैं, लोगों को बदलना चाहते हैं, जबकि वास्तविक परिवर्तन की आवश्यकता हमारे अपने भीतर होती है। जब तक हम अपने चेहरे की धूल स्वीकार नहीं करते, तब तक आईना साफ करते रहने का भ्रम बना रहता है और जीवन की दिशा नहीं बदलती। बीती ताहि बिसार दे, आगे की सुधि ले-यह पंक्ति केवल नीति-वाक्य नहीं, बल्कि जीवन के अनुभवों से निथरा हुआ दर्शन है। बहुत समय तक मैं भी इस मानसिकता से प्रभावित रहा कि जिसने मेरे साथ जैसा किया है, मुझे भी वैसा ही उत्तर देना चाहिए। पुरानी घटनाएँ स्मृति में जमी रहती थीं और मन बार-बार उसी ओर लौट जाता था। पर जीवन ने सिखाया कि हर सत्य का प्रचार आवश्यक नहीं होता। कभी-कभी सत्य को मौन में सुरक्षित रखना ही अधिक मानवीय होता है, क्योंकि सच चाहे कितना ही उज्ज्वल क्यों न हो, यदि वह दूसरों के विश्वास को अविश्वास में बदल दे, तो उसका मूल्य समाप्त हो जाता है। विश्वास बनाए रखना ही इंसानियत की सबसे बड़ी साधना है। नदी बहती है, उसका जल हर क्षण बदलता है। मनुष्य भी बदलता है, पर हम अक्सर पुराने समय की किसी भूल के आधार पर उसकी पूरी छवि स्थिर कर देते हैं। हमारे यहाँ वाल्मीकि का उदाहरण इसलिए दिया जाता है कि एक डाकू भी रामायण का रचयिता बन सकता है। इससे बड़ा प्रमाण और क्या होगा कि कोई भी व्यक्ति, चाहे वह कितना ही साधारण या पतित क्यों न हो, किसी भी क्षण महान बन सकता है। स्त्री-पुरुष संबंधों को लेकर समाज की दृष्टि प्रायः संकीर्ण और संदेहग्रस्त रही है। सामान्य संवाद, हँसी, सहयोग या संवेदना को भी गलत अर्थों में लिया जाता है और वही संदेह कभी-कभी जंगल की आग बन जाता है। मेरे जीवन की कुछ घटनाएँ ऐसी रहीं, जिन्होंने मुझे यह सिखाया कि सत्य हमेशा शोर नहीं चाहता, कई बार वह मौन में ही सुरक्षित रहता है। एक घटना लगभग तीस वर्ष पुरानी है। उस समय एक युवती, जो कभी मेरी प्रशंसक रही थी, उसने मुझसे कुछ सुविचार और भजन लिखकर देने का आग्रह किया। मैंने उसे सहज भाव से दे दिया। बाद में किसी माध्यम से उसके पत्र आने लगे। प्रारंभिक पत्र शालीन थे, कुछ मिठाइयाँ और भेंट भी आईं। उन दिनों मैं हरियाणा में एक आश्रम में निवास करता था। मानवीय मनोविज्ञान का एक गहरा सत्य है, जिसे वर्षों बाद फिल्म थ्री इडियट्स के संवाद ने सरल शब्दों में कहा-अपना दोस्त असफल हो जाए तो दुख होता है, पर यदि वह बहुत आगे निकल जाए तो दुख और बढ़ जाता है। दुर्भाग्यवश वे पत्र कुछ तथाकथित मित्रों के हाथ लग गए। उन्होंने मेरे नाम से उत्तर देना शुरू कर दिया और जो भी भेंट आती, उसे स्वयं रखने लगे। इन पत्रों में वही बातें लिखी जाती थीं, जिनका मुझसे कोई संबंध नहीं था। कुछ महीनों बाद उन्हीं पत्रों के आधार पर पूज्य स्वामी जी महाराज के समक्ष मेरे विरुद्ध शिकायत की गई। उस समय मैं इन घटनाओं से पूर्णतः अनभिज्ञ था। आश्रम में रहते हुए भी मेरा एक अलग स्थान था। ग्रामीण महिलाएँ मुझे उस आश्रम का उत्तराधिकारी तक मानने लगी थीं और कुछ स्वामी जी के स्नेह को देखकर मुझे उनका पुत्र कहकर प्रचारित करती थीं। जब शिकायत और पेशी हुई, तो मैंने केवल इतना कहा कि उस युवती से पूछ लिया जाए कि मैंने कभी कोई अनुचित शब्द लिखा या व्यवहार किया है या नहीं। पर सारे प्रमाण मेरे विरुद्ध थे। स्वामी जी ने एकांत में मुझसे कहा कि जीवन में कभी-कभी प्रमाण सत्य के विरुद्ध भी खड़े हो जाते हैं। यह समय मेरे लिए अत्यंत पीड़ादायक था। अपमान उस क्षण मृत्यु से भी अधिक भारी लगा। फिर भी स्वामी जी ने जीवन भर इस घटना का उल्लेख दोबारा नहीं किया। उन्होंने मुझे साधना, संयम और धैर्य का मार्ग दिखाया। आज भी मैं नहीं जानता कि उन्हें सत्य का कितना ज्ञान था, पर इस मौन करुणा के लिए मैं जीवन भर उनका ऋणी रहूँगा। एक दूसरी घटना में मुझे किसी महिला के साथ नगर में घूमते हुए देख लिया गया। कभी कॉफी पीते हुए, कभी पार्क में बैठे हुए। जिन्हें अवसर चाहिए था, उन्हें अवसर मिल गया। मेरे बारे में तरह-तरह की अफवाहें फैलने लगीं। मन करता था कि सफाई दी जाए, पर भीतर से आवाज आती थी कि सफाई वही देता है, जो स्वयं को दोषी मानता है। एक दिन वही महिला सामने आई और उसने मेरे चरण स्पर्श किए। उस दृश्य ने उन सभी लोगों को चकित कर दिया, जो मेरे विरुद्ध बातें फैला रहे थे। पूछने पर उसने कहा कि पारिवारिक प्रताड़ना और मानसिक अवसाद के दौर में मैंने केवल उसे समय दिया, सुना और उसके भीतर आत्मसम्मान जगाया। उसने कहा कि जब अपने भी साथ छोड़ देते हैं, तब किसी एक व्यक्ति का विश्वास जीवन बचा लेता है। उस दिन समझ आया कि प्रेम, विश्वास और सद्भाव किसी भी औषधि से अधिक प्रभावशाली होते हैं। एक और घटना का उल्लेख आवश्यक है। एक स्त्री, जिसने लंबे समय से मेरे विचार पढ़े और सुने थे, एक दिन मिलने आई। उसने बताया कि वह समाजसेवा करना चाहती है और उसके पति ने ही उसे मुझसे मिलने के लिए प्रेरित किया है। उस स्त्री की पवित्रता और उस पुरुष की उदारता मेरे लिए असाधारण अनुभव थे। उस क्षण लगा कि ऐसा पति और ऐसी पत्नी वास्तव में समाज की धरोहर हैं, जहाँ विश्वास, स्वतंत्रता और सम्मान एक-दूसरे के पूरक होते हैं। यह मेरे लिए ईश्वर की ओर से भेजा गया उपहार था, जिसने मेरे भीतर मानवीय गरिमा के प्रति आस्था को और गहरा किया। इन घटनाओं को लिखने का उद्देश्य आत्मकथा कहना नहीं है, बल्कि यह बताना है कि जो आँखों से दिखाई देता है, वह हमेशा सत्य नहीं होता और जो प्रचारित होता है, वह भी अंतिम सत्य नहीं होता। इसलिए दूसरों की धारणाओं के अनुसार जीवन जीने के बजाय अपने विवेक, करुणा और सत्य के अनुसार चलना चाहिए। यहीं गीता का वह अमर भाव स्मरण में आता है, जिसमें कहा गया है कि जैसे वायु रहित स्थान में दीपक की लौ स्थिर रहती है, वैसे ही योगयुक्त व्यक्ति का चित्त सुख-दुख, मान-अपमान और लाभ-हानि में विचलित नहीं होता। शास्त्रार्थ के महारथी और सुप्रसिद्ध विद्वान पंडित बुद्धदेव विद्यालंकर कहा करते थे कि इसी चित्त की निर्मलता और स्थिरता को प्रतीकात्मक रूप देने के लिए शिवलिंग या ज्योतिर्लिंग की अवधारणा विकसित हुई। बाद के पुराणों में अनेक कथाएँ जुड़ती चली गईं, पर मूल भाव चित्त की स्थिरता ही है। मेरा उद्देश्य उपदेश देना नहीं, केवल इतना कहना है कि जीवन ऐसा हो कि परिस्थितियाँ बदलें, पर भीतर की लौ न डगमगाए। जितनी सहजता से जीना आ जाता है, उतना ही जीवन आनंदमय हो जाता है। अब गाली से भी फर्क नहीं पड़ता, प्रशंसा से भी नहीं। मान और अपमान दोनों समान प्रतीत होते हैं। हम सबका जीवन यदि एक-दूसरे को सकारात्मक रूप से प्रभावित करे, एक-दूसरे का हाथ थामकर आगे बढ़े और जीवन के सौंदर्य को पहचान सके, तो यही सबसे बड़ी उपलब्धि है। जीवन वास्तव में बहुत सुंदर है, आवश्यकता केवल उसे देखने की दृष्टि विकसित करने की है। आज जब पीछे मुड़कर देखता हूँ, तो कई बातों पर मुस्कान आ जाती है। जिन बातों पर कभी नींद उड़ जाती थी, वे अब चाय के साथ हल्की-सी हँसी में बदल गई हैं। कभी-कभी मन करता है कि पुराने अपने आप से पूछूँ-इतना परेशान क्यों था? शायद उस समय यह जानना बाकी था कि हर टिप्पणी का उत्तर देना आवश्यक नहीं और हर गलतफहमी का स्पष्टीकरण देना भी जीवन का उद्देश्य नहीं। अब किसी ने कुछ कहा तो मन बस इतना ही कहता है- अच्छा कहा होगा। सच यही है कि जब जीवन का भार हल्का हो जाए, तब हास्य अपने आप आ जाता है। और तब वास्तव में-अब फर्क नहीं पड़ता।

जल जीवन मिशन : घर-घर नल कनेक्शन से 1135 ग्रामीणों को मिल रहा स्वच्छ पेयजल

ग्राम करही में पेयजल की समस्या का हुआ स्थायी समाधान

नई दृष्टिबिंदु / मुंगेली

शासन की महत्वकांक्षी जल जीवन मिशन अंतर्गत जिले में कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार हर घर जल पहुंचाने लगातार प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में पथरिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम करही में 254 घरों और लगभग 01 हजार 135 से अधिक ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है। इस गांव में जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन ने पेयजल व्यवस्था की तस्वीर पूरी तरह बदल दी है। जो गांव कभी 05 हैंडपंप और 05 पावर पंप पर निर्भर था, आज वहां प्रत्येक घर में नल से नियमित, स्वच्छ और पर्याप्त पानी उपलब्ध हो रहा है। अब ग्राम करही में पानी के लिए न कतार है, न भागदौड़ और न ही चिंता।

पूर्व में जलस्तर कम होने पर गांव में पानी की भारी किल्लत हो जाती थी। विशेषकर गर्मी के दिनों में स्थिति और गंभीर हो जाती थी। महिलाओं को दूरस्थ स्थानों तक पानी लाने जाना पड़ता था और लंबी कतारों में घंटों इंतजार करना पड़ता था। इससे घरेलू कार्यों में देरी होती थी और मजदूरी तथा खेती-किसानी का कार्य भी प्रभावित होता था। गांव की महिलाओं के लिए यह केवल पानी की समस्या नहीं थी, बल्कि समय, श्रम और सम्मान से जुड़ा प्रश्न था, लेकिन जब से जल जीवन मिशन के अंतर्गत पूरे गांव में पाइपलाइन का विस्तार कर प्रत्येक घर तक नल कनेक्शन पहुंचाया गया है, तब से सभी परिवारों को घर बैठे स्वच्छ पेयजल मिल रहा है। पानी के लिए होने वाली रोजमर्रा की भागदौड़ समाप्त हो गई है और ग्रामीणों की दिनचर्या व्यवस्थित हो गई है। ग्राम की निवासी अंजीरा राजपूत, जानकी नेताम, गणेशिया यादव और सुखमनी यादव ने कहा कि अब उन्हें पानी के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ता। वे अपने घरेलू कार्य समय पर पूरा कर पा रही हैं और खेतों व मजदूरी कार्यों के लिए भी समय पर निकल पाती हैं।

ग्राम की सरपंच श्रीमती कमलेश बंजारे के अनुसार योजना के सफल संचालन और संधारण के लिए जल कर संग्रह की व्यवस्था की गई है। नियमित देखरेख और सामुदायिक सहभागिता से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सभी ग्रामीणों को समय पर और पर्याप्त पानी मिलता रहे। पथरिया के जनपद सदस्य श्री संजीव नेताम ने कहा कि अब ग्रामीणों के दरवाजे पर ही पानी उपलब्ध है, जिससे वर्षों पुरानी पेयजल समस्या का समाधान हो गया है। उन्होंने इस योजना को ग्राम करही के लिए वरदान बताते हुए इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

कच्चे झोपड़े से पक्के मकान तक शासन की योजनाओं से मिला सम्मानपूर्ण जीवन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सकारात्मक और स्थायी परिवर्तन ला रही हैं। जिले की हितग्राही भुइरी बाई पति कांशीराम कभी कच्चे मकान में कठिन परिस्थितियों में जीवन यापन कर रही थीं, लेकिन आज प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत बने पक्के घर में सुरक्षित और सम्मानपूर्वक जीवन जी रही हैं।

सरगुजा जिला के लखनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत कुंवरपुर की हितग्राही भुइरी बाई पति कांशीराम बताती हैं कि पहले वे कच्चे घर में रहती थीं, जहां हर मौसम में परेशानियों का सामना करना पड़ता था। बारिश में पानी टपकता था, दीवारें कमजोर थीं और दैनिक जीवन की सामान्य गतिविधियां भी कठिन हो जाती थीं। ऐसे में पक्के घर का सपना उनके लिए बहुत बड़ा था, जो संसाधनों के अभाव में अधूरा ही लग रहा था।

भुइरी बाई ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत उनके पति काशीराम के नाम स्वीकृत हुआ था। उन्होंने अपने पति के साथ मिलकर पक्का घर बनाने का निर्णय लिया। लेकिन दुर्भाग्यवश, घर निर्माण के दौरान उनके पति का निधन हो गया, किंतु शासन की सहायता से बना यह पक्का आवास आज उनके जीवन का सहारा बना हुआ है। वे

उसी घर में सुरक्षित रूप से निवास कर रही हैं।

भुइरी बाई ने बताया कि यदि शासन की आर्थिक सहायता नहीं मिलती, तो वे कभी भी पक्का मकान नहीं बना पातीं। आज उन्हें न केवल मजबूत और सुरक्षित आवास मिला है, बल्कि अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ भी प्राप्त हो रहा है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत उन्हें नियमित रूप से चावल, दाल एवं शक्कर मिल रही है, जिससे खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। वहीं उज्ज्वला योजना के माध्यम से गैस कनेक्शन मिलने से अब वे धुएं से मुक्त वातावरण में भोजन बनाती हैं, जिससे स्वास्थ्य और सुविधा दोनों में सुधार हुआ है।

भुइरी बाई भावुक होकर बताती हैं कि अब उन्हें किसी प्रकार की चिंता नहीं है। पक्के घर में आराम और सुरक्षित जीवन जीना संभव हो पाया है। उन्होंने ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन ने उनका पक्का मकान का सपना पूरा किया है और उन्हें सम्मान के साथ जीवन जीने का अवसर दिया है।

सरगुजा जिला प्रशासन द्वारा पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पारदर्शिता और प्राथमिकता के साथ पहुंचाया जा रहा है, ताकि प्रत्येक जरूरतमंद परिवार को सुरक्षित आवास, खाद्य सुरक्षा और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। जिससे समाज के हर वर्ग का जीवन स्तर बेहतर हो सके।

खास खबर

आंगनबाड़ी केन्द्र में बच्चों के लिए तिथि भोजन का हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

छुरिया विकासखंड अंतर्गत आने वाले ग्राम रानीतलाब के आंगनबाड़ी केन्द्र में वजन तिहार के अवसर पर बच्चों के लिए माँ अम्बे स्वसहायता समूह द्वारा तिथि भोजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समूह द्वारा बच्चों के लिए पौष्टिक एवं स्वादिष्ट भोजन में चावल, दाल, आलू-मटर की सब्जी, सेवई, पूड़ी, सलाद की व्यवस्था की गई। माँ अम्बे स्वसहायता समूह की अध्यक्ष श्रीमती सलेन्द्री महानदिया एवं अन्य सदस्यों द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्र के बच्चों के लिए आयोजित तिथि भोजन समुदाय की सक्रिय सहभागिता, बच्चों के प्रति समुदाय की जिम्मेदारी, सहयोग एवं सामाजिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण पहल है।

चैत्र नवरात्रि पर्व - डोंगरगढ़ मेले में यात्रियों की सुविधा एवं कानून व्यवस्था के संबंध में 2 मार्च को बैठक

राजनांदगांव। चैत्र नवरात्रि पर्व के अवसर पर माँ बम्लेश्वरी मंदिर डोंगरगढ़ में 19 मार्च 2026 से प्रारंभ होने वाले मेले में यात्रियों की सुविधा एवं कानून व्यवस्था पर चर्चा के लिए 2 मार्च 2026 को सुबह 11 बजे कलेक्टोरेट सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई है। बैठक में सभी संबंधित अधिकारियों को उपस्थित होने के निर्देश दिए गए है।

कलेक्टर ने ग्राम नवागांव में डोम का किया निरीक्षण

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम नवागांव में डोम का निरीक्षण किया। उन्होंने डोम में रोजगार की संभावनाओं को मद्देनजर आजीविका मूलक गतिविधियों को संचालित करने के निर्देश दिए तथा इसके लिए प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि स्थान का समुचित उपयोग करते हुए यहां रोजगार संबंधी अन्य गतिविधियों को बढ़ावा देने से स्वसहायता समूह की महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूती मिलेगी।

उन्होंने डोम के समीप आयुर्वेदिक पौधे लगाने के लिए कहा। कलेक्टर ने पुराने जिला पंचायत भवन के समीप स्थित व्यवसायिक परिसर का अवलोकन किया। उन्होंने वहां फूड लैब का निर्माण करने तथा राज बिहान के प्रोडक्ट की पैकेजिंग के लिए इस परिसर का उपयोग करने के लिए कहा। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ सुश्री सुरुचि सिंह, जनपद सीईओ मनीष साहू, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से पिनाकी उपस्थित रहे।

रानी रश्मि देवी सिंह व नवीन कन्या महाविद्यालय में हुआ रंगारंग कार्यक्रम

वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का भी हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

रानी रश्मि देवी सिंह शासकीय महाविद्यालय खैरागढ़ एवं नवीन शासकीय कन्या महाविद्यालय खैरागढ़ के संयुक्त तत्वाधान में गुरुवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय के कैंपस 2 ऑडिटोरियम में आयोजित हुआ। उक्त कार्यक्रम में जिला पंचायत केसीजी उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश भाजपा प्रतिनिधि एवं पूर्व जिला भाजपा अध्यक्ष घम्मन साहू ने की वही विशिष्ट अतिथि के रूप में नपा अध्यक्ष गिरजा नंद चंद्राकर, पार्षद पुष्पा सिंदूर, जनभागीदारी समिति अध्यक्ष विकेश गुप्ता, कन्या महाविद्यालय जनभागीदारी समिति अध्यक्ष मोनिका रजक, जिला भाजपा उपाध्यक्ष नीलिमा महेश गोस्वामी, पूर्व जिला भाजपा उपाध्यक्ष कीर्ति वर्मा, जिला भाजयुमो अध्यक्ष आयश सिंह बोनी, पूर्व पार्षद कृष्णा वर्मा, भाजपा पिछड़ा वर्ग उपाध्यक्ष आलोक श्रीवास, मंडल महामंत्री ऋषभ सिंह जनभागीदारी समिति सदस्य रंजीत सिंह, भाजयुमो कोषाध्यक्ष मंजीत सिंह सहित महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ओपी गुप्ता, वरिष्ठ शिक्षक जितेंद्र साखरे, डॉ. यशपाल जंघेल, डॉ. उमेंद्र चंदेल, सतीश महला, मनीषा नायक, डॉ. मेधाविनी तुरे, मैथिली पटेल, टेकराम, विजेंद्र वर्मा, टूमनन लाल कोसरे, श्री वर्मा, श्री जोशी, उवर्शी मेश्राम, संजय, शंभु व उमराव सहित बड़ी संख्या में महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राएं मौजूद रहें। कार्यक्रम में सर्वप्रथम मुख्य अतिथि विक्रांत सिंह सहित समस्त अतिथियों ने मां सरस्वती एवं छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र में माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया तत्पश्चात समस्त अतिथियों का स्वागत सत्कार, स्वागत गीत एवं राज्यगीत अरपा पैरी के धार की प्रस्तुति के साथ वार्षिक उत्सव एवं पुरूस्कार वितरण कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के अंत में समस्त अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. यशपाल जंघेल ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मुख्य अतिथि जिला पंचायत केसीजी उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह ने कहा कि अब समय बदल गया और सोच बदल गई है इसलिए बेटियां, लड़कों से ज्यादा कामयाब होकर हर क्षेत्र में आगे आकर बेहतर नेतृत्व कर रही है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि विक्रांत सिंह ने कहा कि हम सभी कलयुग में पैदा हुए है और किसी ने भी भगवान को नहीं देखा है पर अगर आप भगवान को देखना चाहते हैं तो अपने माता- पिता और गुरुजनों को देखें क्योंकि वही साक्षात भगवान का स्वरूप है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहें जिला भाजपा के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रदेश भाजपा प्रतिनिधि घम्मन साहू ने कहा कि जिसके पास विद्या है उसके पास सब कुछ है और एक सफल जीवन जीने के लिये वर्तमान में अच्छी शिक्षा अर्जित करना बहुत ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि आज हम वार्षिक उत्सव एवं पुरूस्कार वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए है और ये 1983 में स्थापित हुआ महाविद्यालय है जो बहुत ही खुशी की बात है। उन्होंने एक सुंदर पंक्ति के माध्यम से समस्त छात्रों को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुये हमेशा उन्हें अनुशासन में रहकर ईमानदारी से शिक्षा अर्जित करने और अपने मां पिता व गुरुजनों का नाम रौशन करने की नसीहत भी दी वही घम्मन ने महाविद्यालय में बिताये अपने छात्र जीवन को याद भी किया. कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि नपा अध्यक्ष गिरजा नंद चंद्राकर ने कहा कि शिक्षा वो शक्ति होती है जिसे अर्जित कर हम सफल जीवन जी सकते है। उन्होंने कहा कि बहुत ही खुशी की बात है कि यहां जितने अतिथि आएं है वो भी इसी महाविद्यालय में पढ़े है। इसके पूर्व स्वागत भाषण देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ओपी गुप्ता ने कहा कि हमारा महाविद्यालय अपने 42 वें स्थापना वर्ष में प्रगति की ओर अग्रसर है और निरंतर छात्रों के हित में बेहतर कार्य कर रहा है। उन्होंने मुख्य अतिथि से इस महाविद्यालय को शासन से पीजी कॉलेज का दर्जा दिलाने की मांग की ताकि क्षेत्र के पूरे छात्रों को और बेहतर लाभ मिल सकें।

उन्होंने कहा कि हमारे यहां अध्ययनरत छात्र-छात्राएं पूरे प्रदेश सहित देश में भी खैरागढ़ का नाम रौशन कर रहें जो कि गौरव की बात है। इस अवसर पर सभी कक्षा टॉपर एवं सालभर की विभिन्न साहित्यिक- सांस्कृतिक एवं खेलकूद की गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले महाविद्यालय के होनहार छात्रों को मेडल, स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया वही इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्र एवं छात्राओं ने खूबसूरत सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत सामूहिक नृत्य, एकल नृत्य, एकल गीत, सामूहिक गीत, एकल नाटक व सामूहिक नाटक की सुंदर प्रस्तुति दी जिसे सभी ने खूब सराहा।

होली पर्व के दृष्टिगत खाद्य प्रतिष्ठानों का किया जा रहा औचक निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम द्वारा आगामी होली पर्व के दृष्टिगत चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला के साथ डोंगरगढ़ एवं डोंगरगांव विकासखंड के विभिन्न प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया। टीम द्वारा क्षेत्र के खाद्य प्रतिष्ठानों से मिठाई, घी, पनीर, नमकीन, आटा, मैदा, बेसन, सूजी, बेकरी सहित अन्य खाद्य पदार्थों के कुल 125 नमूने संकलित किये गए और चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला के माध्यम से मौके पर जांच की गई, जिनमें से 118 नमूने मानक एवं 5 नमूने अवमानक पाए गए।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम द्वारा आशीष डेयरी एवं डेली नीड्स डोंगरगढ़ से शंका के आधार पर घी, पनीर एवं खारी का नमूना तथा जैन स्वीट्स तुमड़ीबोड़ से मिल्क कतली एवं नमकीन का नमूना संकलित कर उच्च स्तरीय जांच हेतु खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला प्रेषित किया गया है। उक्त नमूनों में से यदि कोई नमूना अवमानक, मिथ्याछाप या असुरक्षित पाए जाने पर संबंधित खाद्य कारोबारकर्ता के विरूद्ध खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 के तहत कड़ी कार्रवाई कर प्रकरण को यथाशीघ्र सक्षम न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम द्वारा क्षेत्र के नागरिकों को सही एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य उत्पाद पहुंचाने के लिए लगातार खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया जा रहा है और आवश्यकतानुसार कार्यवाही की जा रही है। खाद्य कारोबारियों से अपने प्रतिष्ठानों में नागरिकों के लिए सुरक्षित एवं सही गुणवत्ता के खाद्य पदार्थ का विक्रय, भण्डारण, प्रदर्शन एवं विनिर्माण करने की अपील की है। साथ ही नागरिकों से आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए खाद्य पदार्थों को खरीदते समय विश्वसनीय एवं पंजीकृत दुकानों से ही खाद्य सामग्री खरीदीने का आग्रह किया गया है। कोई भी खाद्य सामग्री खरीदते समय दुकानदार से पक्का बिल (रसीद) अवश्य लें।

शिकायत दर्ज कराने की स्थिति में यह बिल अत्यंत आवश्यक होता है। अत्यधिक चमकीले और गहरे रंग वाली मिठाइयों में अखाद्य रंगों का उपयोग किया जा सकता है, नागरिक इन मिठाइयों का उपयोग नहीं करें। प्राकृतिक रंगों से बनी मिठाइयों को प्राथमिकता दें। पैकेट बंद खाद्य पदार्थों, नमकीन एवं पेय पदार्थों को खरीदते समय उन पर अंकित निर्माण तिथि, उपयोग की अंतिम तिथि, एफएसएसएआई नंबर अवश्य जांचे। साफ-सफाई का अभाव वाले प्रतिष्ठानों से मिठाइयां या खाद्य पदार्थ नहीं खरीदें। किसी भी प्रतिष्ठान पर मिलावटी या दूषित खाद्य सामग्री बेचे जाने का संदेह होने पर खाद्य सुरक्षा विभाग हेल्पलाइन 9340597097 पर सूचना अवश्य दें।

राजनांदगांव में राजदूत बार पर अवैध कब्जे का आरोप, आबकारी लाइसेंस पर उठे सवाल

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

शहर के नेशनल हाईवे रोड, रायपुर नाका पर संचालित राजदूत बार एक बार फिर विवादों में है। आबकारी विभाग को दी गई आपत्ति और जिलाधीश कार्यालय में प्रस्तुत शिकायत के अनुसार, बार संचालक पर भूमि संबंधी नियमों के उल्लंघन और अवैध कब्जे के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। शिकायतकर्ता ने दस्तावेजी प्रमाणों के साथ विस्तृत शिकायत दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत में उल्लेख है कि संबंधित भूमि का सीमांकन राजस्व अभिलेखों के आधार पर कराया गया, जिसमें खसरा नंबर 274/1 एवं 274/5 की भूमि का हवाला दिया गया है। सीमांकन प्रतिवेदन के मुताबिक दर्ज रकबे और मौके की स्थिति में अंतर पाया गया। आरोप है कि बार परिसर के निर्माण/कब्जे में निर्धारित रकबे से अधिक भूमि का उपयोग किया गया, जो राजस्व नियमों के विपरीत है। आबकारी विभाग को सौंपी गई आपत्ति में कहा गया है कि वर्ष 2026-27 के लिए बार लाइसेंस हेतु प्रस्तुत आवेदन में भूमि संबंधी आवश्यक शर्तें पूर्ण नहीं की गई हैं। शिकायतकर्ता का दावा है कि सीमांकन रिपोर्ट में दर्शाए गए तथ्यों से यह स्पष्ट होता है कि मौके पर अतिरिक्त कब्जा/निर्माण किया गया है, जिससे लाइसेंस की वैधता पर प्रश्न खड़े होते हैं। शिकायतकर्ता ने जिलाधीश से मांग की है कि सीमांकन प्रतिवेदन और संलग्न दस्तावेजों के आधार पर मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा नियमों के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई की जाए। वहीं, इस संबंध में बार प्रबंधन/संचालक का पक्ष समाचार लिखे जाने तक प्राप्त नहीं हो सका।

व्यावहारिक कौशल से समाज के अंतिम व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में चिकित्सक निभाएंगे अग्रणी भूमिका - श्याम बिहारी जायसवाल

नई दृष्टिबिंदु / oooooooooo

राजधानी रायपुर के सिविल लाइन स्थित सर्किट हाउस में क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर द्वारा आयोजित पी. जी. डिप्लोमा इन फैमिली मेडिसिन के दीक्षांत समारोह का आयोजन गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने समारोह में सफलतापूर्वक डिप्लोमा पाठ्यक्रम पूर्ण करने वाले सभी डॉक्टरों को प्रमाणपत्र प्रदान किया।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि यह पाठ्यक्रम चिकित्सा पेशेवरों की उत्कृष्ट शिक्षा,

समर्पण एवं सेवा भावना को मान्यता प्रदान करता है। फैमिली मेडिसिन की यह विशेष प्रशिक्षण व्यवस्था न केवल चिकित्सकों के कौशल को सुदृढ़ करती है, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अपने संदेश में कहा कि संस्थान से प्राप्त ज्ञान और व्यावहारिक कौशल के माध्यम से ये सभी चिकित्सक समाज के अंतिम व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में अग्रणी भूमिका निभाएंगे तथा प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाने में योगदान देंगे। समारोह के दौरान डिप्लोमा प्राप्त करने वाले सभी डॉक्टरों को उनकी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गई।

शांति समिति की बैठक : होली से पहले प्रशासन अलर्ट मुखौटों व डीजे पर प्रतिबंध, ट्रैफिक व्यवस्था सख्त

नशे की हालत में गाड़ी चलाने वालों की खैर नहीं

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

होली पर्व और रमजान महीने को ध्यान में रखते हुए शुक्रवार 27 फरवरी को खैरागढ़ थाना परिसर में शांति समिति की महत्वपूर्ण बैठक एसडीएम टंकेश्वर प्रसाद साहू और थाना प्रभारी अनिल शर्मा की उपस्थिति में आयोजित की गई। बैठक में वरिष्ठ नागरिकों तथा पत्रकारों की उपस्थिति रही। शांति समिति की बैठक के दौरान नागरिकों और पत्रकारों से मिले सुझावों के आधार पर प्रशासन ने त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कई अहम निर्णय लिए।

एसडीएम टंकेश्वर प्रसाद साहू ने स्पष्ट किया कि होली के पूर्व बाजारों में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए इस बार यातायात व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। सड़क किनारे अव्यवस्थित पार्किंग करने वाले वाहनों को जब्त किया जाएगा तथा वाहन चालकों पर कार्रवाई भी की जाएगी। नगर पालिका को दिए निर्देश होली से संबंधित रंग, पिचकारी और अन्य सामग्री बेचने वाली दुकानों को सड़क से निर्धारित दूरी पर ही लगाया जाए और दुकानदारों के लिए जगह निर्धारण के लिए चूने से मार्किंग की जाए। तय सीमा का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

त्योहार के दौरान सड़क सुरक्षा को लेकर भी प्रशासन सख्त दुपहिया वाहनों पर तीन सवारी बैठाने तथा शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही होली पर मुखौटे पहनने व बेचने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया गया है। नगर पालिका को ऐसे मुखौटों की जब्ती के निर्देश भी दिए गए हैं।

10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए होली के दौरान डीजे बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध यदि कहीं डीजे बजता पाया गया तो उसे तत्काल जब्त कर संबंधित लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन ने नगरवासियों से अपील की है कि वे होली पर्व और रमजान महिने के दौरान आपसी सौहार्द और शांति बनाए रखें। साथ ही चेतावनी दी गई कि शांति व्यवस्था भंग करने वाले तत्वों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

होली पर्व पर 4 मार्च को जिले के सभी देशी-विदेशी मदिरा दुकान

होली पर्व के अवसर पर बुधवार 4 मार्च को जिले में पूर्ण शुष्क दिवस घोषित किया गया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए कहा कि शासन के निर्देशानुसार पूरे छत्तीसगढ़ राज्य में होली में शुष्क दिवस घोषित किया गया है। इस आदेशानुसार जिले की सभी देशी एवं विदेशी मदिरा दुकानों, प्रीमियम विदेशी मदिरा दुकानों, कम्पोजिट दुकानों सहित एफएल-3 बार तथा अहाते पूरी तरह बंद रहेंगे। इसमें केसीजी जिले के खैरागढ़, मुढ़ीपार, साल्हेवारा, जालबांधा, पैलीमेटा, छुईखदान, ठेलकाडीह और गण्डई क्षेत्र की मदिरा दुकानें, बार एवं अहाते शामिल है। कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल ने स्पष्ट किया है कि बुधवार 04 मार्च को मदिरा की बिक्री, क्रय-विक्रय एवं सेवन पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। इस अवधि में नियमों का उल्लंघन करने पर संबंधित दुकानों एवं बार के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है, कि आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें, ताकि होली के अवसर पर जिले में पूर्ण शांति, सद्भाव और अनुशासन का वातावरण बना रहे।

जिला जेल के कैदियों का किया गया हैंड हैल्ड एक्स-रे मशीन के माध्यम से टीबी जांच

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत निक्षय निरामय पहचान एवं उपचार अभियान के तहत टीबी के उच्च जोखिम समूहों का चिन्हांकन किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एनआर नवरतन ने बताया कि राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत सेंट्रल टीबी डिवीजन के द्वारा राजनांदगांव जिले को प्राप्त हैंड हैल्ड एक्स-रे मशीन के माध्यम से जिला जेल राजनांदगांव के 403 कैदियों का एक्स-रे मशीन के माध्यम से जांच का कार्य किया जा रहा है। प्रथम दिवस 74 कैदियों की जांच एक्स-रे मशीन के माध्यम से किया गया।

जिला नोडल अधिकारी डॉ. अल्पना लुनिया ने बताया कि राजनांदगांव जिलें में चलाए जा रहे निक्षय निरामय छत्तीसगढ़ पहचान एवं उपचार अभियान के अंतर्गत उच्च जोखिम समूह के 46671 व्यक्तियों का एक्स-रे एवं 17542 व्यक्तियों का नॉट मशीन के द्वारा जांच कराया जा चुका है। राजनांदगांव जिले को राज्य स्तर से 2 नग हैण्ड हेल्ड एक्स-रे मशीन अब तक प्राप्त हो चुका है एवं दो मशीन जिले को और प्राप्त होनी है। राज्य स्तर से अब तक 1 मशीन के इंस्टालेशन का कार्य किया गया है, शेष मशीनों के इंस्टालेशन के बाद तैयार किए गए रूट चार्ट के अनुसार ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के टीबी के उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों का एक्स-रे जांच का कार्य मशीनों के माध्यम से किया जाएगा।

जिला जेल राजनांदगांव के कैदियों का एक्स-रे मशीन के माध्यम से जांच का कार्य रेडियोग्राफर लेप्रा सोसायटी लखन निषाद, टीबी मितान अपूर्व यादव, गुनेश यादव, जिला कार्यक्रम समन्वयक भूषण साहू, एसटीएस भूपेश साहू, एसटीएलएस सतीश केशरिया की उपस्थिति एवं मार्गदर्शन में संपादित किया जा रहा है। इस अवसर पर जिला जेल राजनांदगांव के मेडिकल आफिसर, फार्मासिस्ट यज्ञदत्त साहू एवं जेलर उत्तम पटेल उपस्थित थे।

एआई सिनेमा को आकार दे सकता है, लेकिन मानवीय भावनाओं को नहीं

चाहे विजुअल इफेक्ट्स हों, डबिंग हो या सीजीआई हो, आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस फ़िल्ममेकिंग की दुनिया को पूरी तरह बदल रहा है। विशेष रूप से अभिनेताओं पर इसके प्रभाव को लेकर चर्चाएँ तेज़ होती जा रही हैं। ऐसे में कुछ लोगों को लगता है कि एआई भविष्य में अभिनय के हर पहलू की नकल कर सकता है, लेकिन 'हीरामंडी' स्टार ताहा शाह बदुशा ऐसा नहीं मानते। उनके अनुसार, तकनीक सिनेमा को बेहतर बना सकती है, लेकिन वह उस भावनात्मक सच्चाई की जगह नहीं ले सकती, जो सिर्फ़ एक इंसान परदे पर ला सकता है। इस संदर्भ में ताहा कहते हैं, 'जब कोई भावनात्मक सीन होता है, फिर वो चाहे माँ के साथ हो, पत्नी के साथ हो या बच्चे के साथ हो, तो वह भावना हमें खुद महसूस करनी होती है। इस जुड़ाव या भावना को हम चाहकर भी मशीन से पैदा नहीं कर सकते।' गौरतलब है कि एआई ने तकनीकी रूप से काफ़ी तरक़्क़ी कर ली है। आज की फ़िल्में पहले से कहीं ज़्यादा शानदार और तकनीकी रूप से परफ़ेक्ट दिखती हैं। इस विषय में ताहा कहते हैं, 'कभी एडिट में हल्की सी जंप दिख जाती है, कभी लिप-सिंक थोड़ा सा अटपटा लगता है, या कोई इमोशनल बीट पूरी तरह असर नहीं छोड़ पाती।

मुझे यक़ीन है कि आने वाले समय में ये तकनीकी कमियाँ भी दूर हो जाएँगी, लेकिन अभिनेता और दर्शक के बीच का भावनात्मक रिश्ता कहीं ज़्यादा गहरा होता है। दर्शकों का जुड़ाव परफ़ेक्शन से नहीं, बल्कि सच्चाई से होता है। लोग किसी इमेज से नहीं, एक इंसान से जुड़ते हैं। वे उसकी कमज़ोरियों से, उसकी ख़ामोशी से, उन ठहरावों से जुड़ते हैं, जो प्रोग्राम नहीं किए गए होते। उन्हीं ख़ामोशियों में असली क्रिएटिविटी बसती है।' ताहा यह भी मानते हैं कि एआई फ़िल्ममेकिंग के कई तकनीकी पहलुओं को संभालेगा। हाँ, जो लोग सीखने और बदलने से इनकार करेंगे, उन्हें मुश्किल हो सकती है, लेकिन जो अभिनेता और क्रिएटर्स एआई को समझकर उसे अपने फ़ायदे के लिए इस्तेमाल करेंगे, उनके लिए संभावनाएँ और बढ़ेंगी। इसके अलावा सीमित बजट वाले फ़िल्ममेकर्स के लिए भी एआई ने नए दरवाज़े खोले हैं, जिससे वे अपनी सोच को ज़्यादा आज़ादी के साथ साकार कर सकें। हालांकि वे यह भी मानते हैं कि तकनीक चाहे कितनी भी प्रगतिशील हो, लेकिन भावनात्मक गहराई की जगह नहीं ले सकती।

कोंकणा सेन शर्मा और प्रतिभा रांटा को क्यों अलग लगी 'अक्यूज़्ड'

कोंकणा सेन शर्मा और प्रतिभा रांटा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'अक्यूज्ड' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म का एलान बीते दिनों नेटफ्लिक्स के एक इवेंट में किया गया था। यह एक साइकोलॉजिकल सस्पेंस-थ्रिलर ड्रामा है। फिल्म का ट्रेलर सामने आ चुका है। हाल ही में कोंकणा और प्रतिभा ने बातचीत में बताया कि उन्हें इस फिल्म में क्या अलग लगा?

इस वजह से कोंकणा ने साइन की फिल्म

कोंकणा और प्रतिभा ने बताया कि यह फिल्म एक महिला अपराधी की कहानी है, इसी बात ने उन्हें फिल्म की तरफ खींचा। फिल्म को अनुभूति कश्यप ने डायरेक्ट किया है। यह फिल्म इस महीने के आखिर में ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। इस प्रोजेक्ट के लिए हां कहने की वजह के बारे में कोंकणा ने कहा कि यह आइडिया अपने आप में उन्हें नया और अनोखा लगा। उन्होंने यह भी बताया कि कहानी को बनाने में रिसर्च ने बड़ी भूमिका निभाई। एक्ट्रेस ने कहा, 'जब मुझे इस फिल्म का ऑफर मिला, तो मैं बहुत उत्साहित थी। हमने कभी ऐसे केस के बारे में नहीं सुना, जहां आरोपी कोई महिला हो, क्योंकि अपराधी ज्यादातर पुरुष ही होते हैं'।

प्रतिभा रांटा को मिले थे दो सीन मिल

कोंकणा सेन शर्मा ने बताया, 'जब उन्होंने रिसर्च की, तो राइटिंग और डायरेक्शन टीम को पता चला कि ऐसे मामले हैं। मुझे लगता है कि यूएस और यूके में बहुत सारे डॉक्यूमेंटेशन हैं। उन्होंने उस रिसर्च के आधार पर स्क्रिप्ट लिखी। मुझे यह मामला बहुत अजीब लगा'। वहीं, प्रतिभा रांटा ने कहा कि जब उन्होंने फिल्म के लिए ऑडिशन दिया तो उन्हें दो सीन मिले थे। एक्ट्रेस ने कहा, 'मैंने उन्हें पढ़ा और उन सीन में मुझे बहुत दिलचस्पी थी। मैंने पहले कभी ऐसा कुछ नहीं पढ़ा था। मैम ने मेरा ऑडिशन देखा। उन्हें यह पसंद आया'।

कैसे तैयार हुई स्क्रिप्ट?

फिल्म की डायरेक्टर अनुभूति कश्यप ने बताया कि फिल्म की शुरुआत सिर्फ एक आइडिया से हुई थी और कोई स्क्रिप्ट नहीं लिखी थी। उन्होंने बताया कि कैसे टीम ने कई महीनों में धीरे-धीरे कहानी बनाई। अनुभूति के मुताबिक, 'मेरे पास फिल्म के लिए लिखी हुई स्क्रिप्ट नहीं थी। मुझे सिर्फ एक आइडिया दिया गया था। मैंने कभी ऐसी कहानी नहीं सुनी थी, जिसमें किसी महिला पर काम की जगह पर सेक्सुअल हैरेसमेंट का आरोप लगा हो। मुझे यह आइडिया सच में पसंद आया। हमने वहीं से शुरुआत की। मैंने इस फिल्म के राइटर, यश और सीमा के साथ काम किया है। हमने छह से आठ महीने तक स्क्रिप्ट लिखी और इसे तैयार किया। बता दें कि 'अक्यूज्ड' 27 फरवरी से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

द केरल स्टोरी 2 पर अनुराग कश्यप ने दिया रिएक्शन

फिल्म 'द केरल स्टोरी 2' रिलीज होने से पहले काफी सुर्खियों में है। कुछ लोग फिल्म का सपोर्ट कर रहे हैं, तो वहीं कुछ लोग फिल्म को प्रोपेगेंडा बता रहे हैं। जब से 'द केरल स्टोरी 2' का ट्रेलर आया है, तब से इस पर विवाद हो रहा है। एक सीन में, एक कलाकार को कुछ लोग जबरदस्ती प्रतिबंधित मांस खिलाते हुए दिख रहे हैं। फिल्म के इस सीन पर फिल्ममेकर अनुराग कश्यप ने प्रतिक्रिया दी है।

फिल्म को लेकर बोले अनुराग कश्यप

हाल ही में अनुराग कश्यप फिल्मफेयर अवार्ड्स साउथ में शामिल होने के लिए कोच्चि गए। उनसे पैपराजी ने पूछा कि क्या उन्होंने 'द केरला स्टोरी 2' का ट्रेलर देखा है। इस पर उन्होंने जवाब दिया, 'द केरल स्टोरी 2 बकवास मूवी है। यह बकवास प्रोपेगेंडा है। पूरी तरह बकवास। ऐसा कौन बीफ खिलाता है? ऐसा कोई खिचड़ी भी नहीं खिलाता है।' उन्होंने आगे कहा, ' वे (फिल्ममेकर) बस पैसा कमाना चाहते हैं और सबको खुश करना चाहते हैं। लोगों को बांटना चाहते हैं।'

क्या द वार्डरोब में दिव्या अग्रवाल निभा रही हैं भूत का किरदार?

राज गवली प्रोडक्शन ने अपनी आगामी सुपरनैचुरल थ्रिलर द वार्डरोब का दिलचस्प फर्स्ट-लुक पोस्टर जारी कर दिया है, और फैंस अब यह सवाल पूछ रहे हैं – क्या दिव्या अग्रवाल इस फिल्म में भूत का किरदार निभा रही हैं? सौरभ चौबे के निर्देशन में बनी इस हॉरर थ्रिलर में द वार्डरोब भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। पोस्टर में एक रहस्यमयी महिला को पुराने, आधे खुले लकड़ी के वार्डरोब से बाहर निकलते हुए दिखाया गया है, जिस पर लताएं लिपटी हुई हैं। खून से सने सफेद गाउन में और धुएं व अंधेरे से घिरे माहौल के बीच दिव्या का डरावना अंदाज़ उनके किरदार को लेकर कई सवाल खड़े करता है। वार्डरोब के भीतर से आती लाल रोशनी फिल्म के सुपरनैचुरल टोन को और गहरा करती है, जिससे दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई है। हालांकि मेकर्स ने कहानी के अहम पहलुओं को अभी गोपनीय रखा है, लेकिन पोस्टर ने इस बात की अटकलों को हवा दे दी है कि दिव्या किसी बेचैन आत्मा की भूमिका में हो सकती हैं।

...इस बात से परेशानी होती है कि मेरी पहचान सिर्फ इमरान की गर्लफ्रेंड तक सीमित है

एक्टर इमरान खान को डेट कर रहीं लेखा वाशिंगटन हाल ही में फिल्म 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' के प्रीमियर में उनके साथ नजर आईं। इसके बाद सोशल मीडिया पर उन्हें जमकर ट्रोल किया गया और कुछ यूजर्स ने उनके इंटरफेथ रिलेशनशिप को 'लव जिहाद' तक कह दिया। अब लेखा ने इस पूरे विवाद पर खुलकर अपनी बात रखी है। इंटरव्यू में लेखा ने कहा कि उन्हें ट्रोलिंग से ज्यादा इस बात से परेशानी होती है कि लोगों की नजर में उनकी पहचान सिर्फ एक मशहूर एक्टर की गर्लफ्रेंड तक सीमित है। उन्होंने कहा कि उनका खुद का करियर रहा है, जिसे नजरअंदाज कर दिया जाता है।

प्रीमियर के बाद बढ़ती ट्रोलिंग पर लेखा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर बेबाक अंदाज में जवाब दिया था। उन्होंने कहा था, 'लव जिहाद...जाहिर है ये मुझ पर किया जा रहा है। मैं पार्ट बर्मी, इटालियन, पंजाबी हूं। साउथ इंडिया में पली-बढ़ी हूं, नॉर्थ इंडिया शिफ्ट हुई। मेरे पिता रोमन कैथोलिक हैं, लेकिन एग्नॉस्टिक सोच रखते हैं। जिस शख्स के साथ मेरा नाम जोड़ा जा रहा है, उनके पिता पार्ट हिंदू, पार्ट स्कॉटिश हैं और मां मुस्लिम हैं। और लोग कह रहे हैं 'लव जिहाद हो रहा है।' मैं कहती हूं – नहीं, मैं तो लाइट्स बनाती हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'मेरी वीडियो को नफरत और बंटवारे को बढ़ावा देने के लिए इस्तेमाल किया जाना, उस हर चीज के खिलाफ है जिसके लिए मैं खड़ी हूं। ऐसी बेतुकी बातों से निपटने के लिए ह्यूमर सबसे अच्छा तरीका है। सच में, इस पूरी स्थिति को हल्का बनाकर ही जवाब देना चाहिए।'

मैं बहुत लकी हूं

अपने रिश्ते पर हो रही टिप्पणियों के बारे में लेखा ने कहा कि उनका और उनके पार्टनर का परिवार, दोनों ही खुले विचारों वाले बैकग्राउंड से आते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं रोज देखती हूं कि अलग-अलग संस्कृतियों से जुड़े, क्रिएटिव और दयालु लोग कैसे एक-दूसरे का खूबसूरती से साथ देते हैं। मैं बहुत लकी हूं।'

कब से रिलेशनशिप में हैं इमरान और लेखा?

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इमरान और लेखा 2020 से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों एक ही सोशल सर्कल का हिस्सा थे। खबरों के अनुसार, उन्होंने मुंबई के बांद्रा इलाके में समुद्र किनारे एक अपार्टमेंट लीज पर लिया है, जो निर्देशक करण जौहर का बताया जा रहा है। इस घर का किराया करीब 9 लाख रुपये प्रति महीना है। इससे पहले इमरान बांद्रा के पाली हिल स्थित अपने बंगले में रहते थे।

लड़ाई तब होती है जब दो लोग आपस में भिड़ते हैं, कंगना से झगड़े पर बोलीं तापसी

तापसी पन्नू और कंगना रनौत बॉलीवुड की दो ऐसी अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने आउटसाइडर होने के बावजूद अपनी दम पर अपनी पहचान बनाई है। दोनों ही अपनी दमदार एक्टिंग के लिए भी सुर्खियां बटोरती हैं। लेकिन दोनों के बीच कैट फाइट भी काफी पुरानी है और अक्सर चर्चा में भी रहती है। हालांकि, तापसी पन्नू का कहना है कि उनकी तरफ से कोई झगड़ा या मनमुटाव नहीं है। यहीं नहीं वो कंगना को अपना सीनियर बताते हुए उनसे दोस्ती करने को भी तैयार हैं।

मैंने कभी लड़ाई की ही नहीं

बातचीत के दौरान तापसी पन्नू ने कंगना के साथ अपने विवाद पर प्रतिक्रिया दी। कंगना की बहन द्वारा तापसी को कंगना की 'सस्ती कॉपी', 'बी ग्रेड एक्ट्रेस' और 'शी-मैन' कहने के बाद ये विवाद शुरू हुआ था। हालांकि, इस विवाद पर अब तापसी का कहना है कि उन्होंने कभी झगड़ा शुरू नहीं किया और आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि मुझे नहीं पता कि मैंने कभी लड़ाई की है या नहीं। लड़ाई तब होती है जब दो लोग आपस में भिड़ते हैं। मैं कभी नहीं भिड़ी।

मुझे सस्ती कॉपी कहे जाने पर कोई दिक्कत नहीं

कंगना की सस्ती कॉपी वाली टिप्पणी पर तापसी ने कहा कि उनकी बहन ने मुझे 'सस्ती नकल' कहा। उनका कहना था कि चूंकि मैं यहां उतनी कमाई नहीं करती, इसलिए मैं सस्ती हूं। अगर वह (कंगना रनौत) इतनी प्रतिभाशाली अभिनेत्री हैं, तो मुझे उनकी नकल कहे जाने से कोई आपत्ति नहीं है। आप मेरा कोई भी बयान निकाल सकते हैं, मैंने उनके खिलाफ कुछ नहीं कहा है।

कंगना से दोस्ती को तैयार हैं तापसी पन्नू

बातचीत के दौरान जब यह कहा गया कि अगर तापसी और कंगना रनौत जैसी दो शानदार एक्ट्रेस एकसाथ आएंगी, तो वाकई कमाल हो जाएगा। इस पर तापसी ने कहा कि बिल्कुल ऐसा हो सकता है। शायद कोई है जो ये नहीं चाहता कि दो अच्छी एक्ट्रेस एक साथ काम करें। मुझे नहीं पता किसी ने उन्हें क्या बताया है। जबकि हम दोनों ही आउटसाइडर हैं, हम दोनों ही एक ही बात कहते हैं। इस दौरान कंगना से दोस्ती करने के सवाल पर तापसी पन्नू ने स्पष्ट कहा कि मैं तैयार हूं। वो (कंगना) मुझसे सीनियर हैं और मुझे उनके साथ काम करने या दोस्ती करने में कोई दिक्कत नहीं। हालांकि, तापसी ने कहा कि वह इस बात की गारंटी नहीं दे सकतीं कि कंगना उनसे क्या कहेंगी, लेकिन उनकी तरफ से उनका रुख स्पष्ट है।

आपस में भिड़ते हैं आउटसाइडर

जब तापसी से पूछा गया कि क्या उनके झगड़े से नेपोटिज्म के विवाद के दौरान स्टार किड्स को अप्रत्यक्ष रूप से फायदा हुआ? तो तापसी ने कहा कि मुझे उनके बारे में तो नहीं पता, लेकिन किसी न किसी को तो किसी न किसी तरह से फायदा जरूर हुआ होगा। उन्होंने आगे कहा कि इंडस्ट्री में गुटबाजी सिर्फ इनसाइडर और आउटसाइडर तक ही सीमित नहीं है। आउटसाइडर भी अक्सर एक ही बात करते हैं और अपनी चुनौतियों के बारे में बात करने के बावजूद एक-दूसरे का साथ नहीं देते। लोग अक्सर आउटसाइडर होने का रोना रोते हैं, लेकिन एकजुट होने के बजाय आपस में ही लड़ते रहते हैं।

नगर निगम की एमआईसी बैठक में कई प्रस्तावों को मिली मंजूरी

मुक्तिधाम, पार्क व तालाबों के सौंदर्यीकरण पर निगम निगम दुर्ग का फोकस

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शहर के सर्वांगीण विकास पर व्यापक निर्णय नगर पालिक निगम की मेयर इन काउंसिल (एमआईसी) की महत्वपूर्ण बैठक महापौर अलका बाघमार की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में आयुक्त सुमित अग्रवाल के साथ सभी एमआईसी सदस्य एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में बारी बारी महत्वपूर्ण एजेंडों पर विस्तृत चर्चा की गई और कई प्रमुख विकास कार्यों को मंजूरी प्रदान की गई।

एमआईसी सदस्य नरेंद्र बंजारे, देवनारायण चंद्राकर, शेखर चंद्राकर, लीना दिनेश देवांगन, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, काशीराम कोसरे, मनीष साहू,शिव नायक, लीलाधर पाल, शशि साहू, नीलेश अग्रवाल,हर्षिका संभव जैन,उपायुक्त मोहेन्द्र साहू,अभियंता अधिकारी विनीता वर्मा,मो सलीम सिद्दीकी,प्रकाशचंद थावनी,सहायक अभियंता गिरीश दीवान,सुरेश केवलानी,पंकज साहू, रेवाराम मनु,दुर्गेश गुप्ता,शोएब अहमद,अभ्युदय मिश्रा,थानसिंग यादव सहित अन्य अधिकारी एवं कमर्चारी उपस्थित रहे।

मेयर इन काउंसिल की बैठक में नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत नागरिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण एवं आधारभूत संरचना के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण स्वीकृतियाँ प्राप्त हुई हैं।दुर्ग में विभिन्न विभागों से जुड़े अहम प्रस्तावों पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं।

बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के संशोधित बजट एवं 2026-27 के अनुमानित वार्षिक बजट पर विचार करते हुए शहर के भविष्य के विकास कार्यों के लिए दिशा तय की गई। निगम की प्राथमिकताओं में नागरिक सुविधाओं का विस्तार, बुनियादी ढाँचे का उन्नयन और पेयजल-नाली-सड़क जैसी जरूरतों पर विशेष ध्यान केंद्रित रहा।

जल प्रबंधन को नई मजबूती

24 एमएलडी फिल्टर प्लांट के लिए बड़ा निर्णय। जलगृह विभाग ने 24 एमएलडी फिल्टर प्लांट में वर्टिकल टर्बाइन पंप की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दी।इसके अलावा 24 एमएलडी इंटेकवेल में पंप लगाने के लिए 194.64 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई।ऑनलाइन निविदा प्रक्रिया में 8 निविदाएँ प्राप्त हुईं, जिनमें परीक्षण के बाद मेसर्स पी.एन. इंटरप्राइजेस, बिलासपुर की 1.21 करोड़ की न्यूनतम दर को स्वीकार किया गया।

इन योजनाओं से शहर की जलापूर्ति व्यवस्था अधिक सुचारू और मजबूत बनने की उम्मीद है। सड़क संधारण व नाली निर्माण कार्यों में तेजी, 62 कार्यों को मंजूरी लोककर्म विभाग द्वारा वार्ड 30 में पूर्व स्वीकृत सड़क कार्य के स्थल परिवर्तन को मंजूरी दी गई। अब तहसील कार्यालय से ज्योति ऑप्टिकल तक बी.टी. रोड संधारण कराया जाएगा। इसके अलावा नगर निगम क्षेत्र के 1 से 60 वार्डों में 62 नाली निर्माण कार्यों हेतु 738.54 लाख रुपये का प्रस्ताव पारित हुआ है।ये कार्य शहर की जल निकासी और सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाएँगे। पार्क, मुक्तिधाम व तालाबों के सौंदर्यीकरण की दिशा में बड़े कदम राज्य प्रवर्तित योजना के तहत शहर के तीन प्रमुख मुक्तिधाम

वार्ड 01 शिवनाथ नदी मुक्तिधाम, वार्ड 11 हरना बांधा मुक्तिधाम,वार्ड 52 बोरसी मुक्तिधाम, के उन्नयन हेतु 50-50 लाख रुपये प्रस्तावित किए गए। इसी तरह वार्ड 07 लुचकी तालाब के सौंदर्यीकरण के लिए 81.12 लाख रुपये तथा वार्ड 29 दादा-दादी नाना-नानी पार्क के विकास हेतु 96.35 लाख रुपये का प्रस्ताव पारित हुआ। इन कार्यों से शहर में सार्वजनिक स्थलों की सुंदरता व सुविधा दोनों बढ़ेंगी।

गर्मी से पहले पाइप लाइन विस्तार प्राथमिकता, महापौर

महापौर अलका बाघमार ने बैठक में स्पष्ट निर्देश दिया कि गर्मी आने से पहले छूटे क्षेत्रों में पाइप लाइन विस्तार तत्काल पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि 30 जून तक सभी पुराने नल कनेक्शन हटाकर नई पाइप लाइन से जोड़े जाएंगे, जिससे जल उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।साथ ही गली-मोहल्लों में बेवजह बहते नालों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश देकर पानी की बर्बादी रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाने की बात कही।

3 साल का संघर्ष रंग लाया, शासकीय कर्मियों को मिला कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ

छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने जताया शासन का आभार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कमर्चारी संघ ने राज्य शासन द्वारा शासकीय कर्मियों को कैशलैस चिकित्सा सुविधा दिए जाने पर आभार जताया है। संघ के साथ-साथ शासकीय विभागों के अन्य संगठनों ने भी विगत तीन वर्षो से इस संबंध में शासन से लगातार मांग की थी। अब राज्य सरकार के बजट में इस आशय की घोषणा से स्वास्थ्य कमिर्यों में हर्ष का माहौल है।

संघ के प्रदेश महामंत्री सैयद असलम ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार का बजट वित्त मंत्री ओ पी चौधरी ने पेश किया, जिसमें अधिकारी-कमर्चारियों को कैशलैस चिकित्सा सुविधा की सौगात देते हुए इसके लिए 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। संघ की ओर से प्रदेश महामंत्री सैय्यद असलम ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और वित्त मंत्री ओ पी चौधरी सहित कैबिनेट मंत्रियों और छत्तीसगढ़ के समस्त विधायक और सांसदों का इस पुनीत कार्य कैशलैस चिकित्सा सुविधा योजना के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया है।

उन्होंने बताया कि इसके लिए लगातार पत्राचार, संघर्ष , ज्ञापन, धरना-प्रदर्शन करते हुए शासन के विभिन्न पटलों पर मुद्दा रखा गया। उन्होंने बताया कि स्टील व कोल के सार्वजनिक उपक्रमों और केंद्र सरकार के कर्मचारियों को यह सुविधा पहले से उपलब्ध है किन्तु राज्य शासन के कर्मचारियों को इसका लाभ नहीं मिलता था। राज्य के सरकारी कर्मचारी केवल शासकीय अस्पतालों के भरोसे रहते है।

निजी अस्पताल में उपचार और बिल का भुगतान कर पाना उसके लिए दुर्लभ था। समय पर बेहतर उपचार व उचित चिकित्सा व्यवस्था नहीं होने की वजह से कई बार अपने परिजनों को खोना पड़ जाता था। वहीं जो लोग अपना एंव परिजनों का इलाज कर्ज लेकर करा भी लेते थे, उन्हें चिकित्सा प्रतिपूर्ति राशि (मेडिकल बिल) उतनी स्वीकृत नहीं होती थी। दोनों स्थितियों में शासकीय कमर्चारियों को कठिनाइयां का सामना करना पड़ रहा था। सैय्यद असलम ने बताया कि प्रदेश के सभी संगठनों द्वारा अपने अपनी मांगों में कैशलैस चिकित्सा सुविधा प्रदान करने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया और शासन के समक्ष रखा गया।

इन सामूहिक प्रयासों और सार्थक प्रयासों से छत्तीसगढ़ सरकार ने उन सभी बिंदुओं पर विचार विमर्श कर बहुप्रतीक्षित मांग को पूरा किया है। राज्य शासन की ओर से शासकीय कमिर्यों को कैशलैस चिकित्सा सुविधा देने की घोषणा के साथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई तीन में अधिकारी-कर्मचारियों ने खुशियां मनाते हुए एक दूसरे को बधाई दी और मिठाई बांटी। कमिर्यो ने महामंत्री सैय्यद असलम को माला पहनाकर स्वागत किया।

शासन का धन्यवाद ज्ञापित करने वालों में संरक्षक और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंपेक्स ओ पी शर्मा प्रांताध्यक्ष अनिल पांडेय, कायर्कारी प्रांताध्यक्ष आर डी दीवान, एस पी दीवान, प्रमेश पाल अजय नायक, सत्येंद्र कुमार गुप्ता, आर विश्वास , हर्षा मानिकपुरी, नारायण साहू, वर्षा पांडेय, गुलशन खलखो, समीर रात्रे, निवेश प्रधान देवेंद्र राजपूत, जैकलीन डॉन, तृप्ति चंद्राकर, स्मिता बागड़े, आलिया खातून, उषा वर्मा, पी स्वामी, निवेश प्रधान, आर विश्वास, मनोरमा बंछोर, नीना चक्रवर्ती, थानेशवरी, चम्पाकली सोनी , प्रकाश, नेतराम, यशवंत साहू, वर्षा पांडेय, जी मोहन राव,एम पंडैया, व्ही राम चंद्र मूर्ति,विवेक कापारे ,बी एल वर्मा, सोनसीर,देवीला चंद्राकर, कुमेश साहू, राज विजय लक्ष्मी, खिलावन चंद्राकर, लक्ष्मीकांत धोटे, भूपेश उपाध्याय, रोशन सिंह, जिला चिकित्सालय दुर्ग अध्यक्ष राघवेंद्र साहू व प्राचार्य पुष्पा बांधे तथा नर्सिंग अध्यक्ष मंजू राय सहित तमाम पदाधिकारी शामिल हैं।

कलेक्टर अभिजीत सिंह धान उठाव में तेजी लाने के दिए सख्त निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में जिला कलेक्टोरेट सभाकक्ष में राइस मिलर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में धान उठाव की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि डीओ कटने के बाद भी धान का उठाव अपेक्षित गति से नहीं हो रहा है, जिससे समितियों में धान का भंडारण बढ़ रहा है। उन्होंने 28 फरवरी तक शत-प्रतिशत डीओ कटवाकर उठाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही 15 मार्च तक सभी समितियों से धान उठाव पूर्ण करने की समय-सीमा तय की। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि उठाव के समय जिन स्थानों के लिए टैगिंग की जा चुकी है, उसमें किसी प्रकार का परिवर्तन न किया जाए। इस संबंध में नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में एफआरके (फोटिफाइड राइस कर्नेल) के वितरण एवं उठाव की भी समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मिलिंग के साथ-साथ एफआरके की निर्धारित मात्रा का भी समय पर उठाव सुनिश्चित किया जाए, ताकि सार्वजनिक वितरण प्रणाली में किसी प्रकार की बाधा न आए। बैठक में मिलर्स ने डीओ कटवाकर उठाव में तेजी लाने पर सहमति जताई और प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने सभी मिलर्स को निर्देश दिए कि मार्च माह में पीडीएस के तहत चावल वितरण सुनिश्चित करने के लिए दो दिवस के भीतर टैगिंग अनुसार चावल संबंधित गोदामों में जमा कराएं। इसके अलावा उसना मिलिंग की गति बढ़ाने के निर्देश देते हुए कलेक्टर ने शेष लक्ष्य अनुसार डीओ के लिए आवेदन प्रस्तुत करने को कहा, ताकि धान उठाव एवं मिलिंग कार्य समय-सीमा में पूर्ण हो सके। इस अवसर पर खाद्य नियंत्रक अनुराग भदौरिया, जिला विपणन अधिकारी राहुल कुमार, नागरिक आपूर्ति निगम से नीलिमा ठक्कर उपस्थित थी।

सुपेला अस्पताल में सोनोग्राफी सुविधा की मिली सौगात

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने निर्देशानुसार और सीएमएचओ डॉ. मनोज दानी के मार्गदर्शन में लाल बहादुर शास्त्री सिविल अस्पताल सुपेला में सोनोग्राफी सुविधा उपलब्ध करायी गई है। उक्त अस्पताल में सोनोग्राफी मशीन उपलब्ध होने के बावजूद विशेषज्ञ चिकित्सक की अनुपलब्धता के कारण उपयोग में नही लायी जा रही थी।

कलेक्टर सिंह ने इसे संज्ञान में लेते हुए सीएमएचओ एवं सिविल सर्जन को उक्त अस्पताल में सोनोग्राफी सुविधा उपलब्ध कराने निर्देशित किया। सिविल सर्जन डॉ. आशीषन कुमार मिंज ने इस हेतु आवश्यक पहल करते हुए स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. विनीता रतनानी को जिला अस्पताल में सोनोग्राफी मशीन संचालन हेतु 10 दिवस का प्रशिक्षण पश्चात सिविल अस्पताल सुपेला में सोनोग्राफी संचालन के लिए दायित्व सौंपा गया है। डॉ. रतनानी द्वारा उक्त चिकित्सालय में सोनोग्राफी की सुविधा प्रारंभ कर दी गई है। इनके द्वारा प्रतिदिन 10 से 15 गर्भवती माताओं का सोनोग्राफी किया जा रहा है। चिकित्सालय में सोनोग्राफी सुविधा के साथ अन्य सभी आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध करायी जा रही है।

भारतीय जनता पार्टी बुनकर प्रकोष्ठ के ईश्वर देवांगन जिला संयोजक नियुक्त

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष किरण देव सिंह एवं भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक की सहमति से ईश्वर देवांगन को भारतीय जनता पार्टी बुनकर प्रकोष्ठ, छत्तीसगढ़ का जिला संयोजक नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति पर संगठन के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं बुनकर समाज में हर्ष का वातावरण है।

नवनियुक्त जिला संयोजक ईश्वर देवांगन लंबे समय से संगठन के प्रति समर्पित भाव से कार्य करते आ रहे हैं। वे बुनकर समाज के उत्थान एवं विकास के लिए निरंतर सक्रिय रहे हैं। संगठन का विश्वास है कि उनके नेतृत्व में बुनकर प्रकोष्ठ को नई दिशा एवं मजबूती मिलेगी तथा समाज के हितों को आगे बढ़ाने में उल्लेखनीय योगदान होगा। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने ईश्वर देवांगन को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य, सफल कायर्काल तथा संगठन को सशक्त बनाने के उनके प्रयासों के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त कीं।

देवकुमार कांग्रेस के प्रदेश मीडिया कोर्डिनेटर बने

दुर्ग। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के प्रदेशाध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने दुर्ग शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल की अनुशंसा पर दुर्ग नगर निगम के पूर्व नेता प्रतिपक्ष देवकुमार जंघेल को कांग्रेस का प्रदेश मीडिया कोडिर्नेटर नियुक्त किया है।

गौरतलब है कि तीन बार पार्षद और एक बार नेता प्रतिपक्ष रह चुके देवकुमार जंघेल इसके पहले भी 2010 से 2015 तक कांग्रेस के संभागीय प्रवक्ता का दायित्व निभा चुके हैं। पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा और सेवा को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी इस नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए दुर्ग शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने उन्हें बधाई दी है और उम्मीद जाहिर की है कि वे पार्टी की विचारधारा और नीतियों को मीडिया के माध्यम से जन जन तक पहुंचाने का गुरुतर दायित्व पूरी कुशलता से निभाएंगे। श्री जंघेल ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला और जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल सहित सभी शीर्ष नेताओं का आभार व्यक्त किया है।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण का विस्तार

दुर्ग। दुर्ग ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण में नए पदाधिकारियों की नियुक्ति कर दी गई है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज ने नई कार्यकारिणी सूची को अनुमोदित कर जारी किया। सभी नाम जिला ग्रामीण अध्यक्ष राकेश ठाकुर एवं ब्लॉक अध्यक्ष देवेंद्र देशमुख ने प्रस्तावित किए थे, जिन्हें प्रदेश नेतृत्व की मंजूरी के बाद औपचारिक रूप से घोषित किया गया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण में कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी भागवत साहू को सौंपी गई है। इसके अलावा 6 उपाध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। जिसमें पुष्पा साहू बोरीगारका, तुलसी देशमुख चंगोरी, भीषम चौधरी आमटी, भावेश साहू उतई, गोवर्धन बारले घुघसीडीह, अशोक साहू शामिल है।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार::-

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय का रा.प्र.क. 2026021010024 अ-6/वर्ष 2025-26 में आवेदिका / आवेदक प्रमिला. आ./ध.प. प्रभु निवासी वार्ड नं.-35 चौखड़िया पारा राजनांदगांव तह. व जिला दुर्ग द्वारा ग्राम कुरुद प.ह.न. 4.6.रा.नि.मं. कोहका व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 432 रकबा 0.057.00 हे. है। जो भूमिस्वामी रामाधीन आ. बन्शीराम के नाम पर दर्ज है। जिसमें भूमिस्वामी रामाधीन आ. बन्शीराम की मृत्यु दिनांक 4/5/2003 को फौत हो जाने के कारण मृतक का नाम खाते से विलोपित कर उसके वैध वारिसानों का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि फौती नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 20/03/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 25/2/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

!! न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग !!

-:: ईश्तहार::-

रा.प्र.के. 202602101000256 /ब-121
वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक धनेश कुमार चंदेल पिता स्व. कार्तिक राम चंदेल निवासी कोहका भिलाई द्वारा ग्राम कोहका प.ह.नं. 45 स्थित भूमि ख.नं. 9301/1 रकबा 0.15 हे. भूमि आवेदक के माता के नाम पर दर्ज है भूमिस्वामी की मृत्यु हो जाने से भूमिस्वामी का नाम विलोपित कर उनके विधिक वारीसानो का नाम दर्ज किये जाने के संबंध में आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 20.03.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 25.02.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

-:: ईश्तहार::-

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय का रा.प्र.क्र. 202602101000247 /अ-6/वर्ष 2025-26 में आवेदिका/आवेदक नजीर अहमद आ./ध.प.समी अहमद निवासी - शंकरपारा सुपेला भिलाई तह. दुर्ग व जिला दुर्ग द्वारा ग्राम - कोहका प.ह.न. 45 रा.नि.मं. कोहका व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 4440, 6876. रकबा 0.02, 0.01. हे. है। जो भूमिस्वामी अहमद आ . निजामुद्दीन एवं अन्य दो के नाम पर दर्ज है। जिसमें भूमिस्वामी समी अहमद आ. निजामुद्दीन की मृत्यु दिनांक 29/812025 को फौत हो जाने के कारण मृतक का नाम खाते से विलोपित कर उसके वैध वारिसानो का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि फौती नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 20/3/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 2.51.2/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

!! न्यायालय तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग !!

-:: ईश्तहार::-

रा०प्र०क० ब-121 वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजीव अग्रवाल पिता जगदीश प्रसाद अग्रवाल निवासी गौरवपथ हाउसिंग बोर्ड भिलाई द्वारा अपने माता नारायणी देवी अग्रवाल का मृत्यु दिनांक 17.09.1996 को को होने के कारण एवं भूलवश मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं बन पाने के कारण मृत्यु प्रमाण पत्र बनाये जाने के संबंध में आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

- अतः उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 11.03.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 09.02.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

अंधेरे में डूबा शहर : भाजपा सरकार और नगर पालिका पर लगाया लापरवाही का आरोप

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

नगर के प्रमुख मार्गों पर स्ट्रीट लाइटें बंद रहने से शहर अंधेरे में डूबा हुआ है। बीते दो महीनों में रात्रि के समय हुई भीषण सड़क दुर्घटनाओं और लगातार हो रही मौतों को लेकर शहर कांग्रेस कमेटी ने गुरुवार शाम अनोखा विरोध प्रदर्शन किया।

कांग्रेस ने भाजपा शासित नगर पालिका और प्रशासन की कायर्शैली पर सवाल खड़े करते हुए चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अरुण भारद्वाज के नेतृत्व में सिविल लाइन स्थित पूर्व सांसद एवं पूर्व विधायक दिवंगत राजा देवव्रत सिंह की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर स्मरण करने के बाद दुर्गा चौक से कैंडल मार्च निकालते हुए कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट कार्यालय के सामने स्थित छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा तक पहुंचे। यहां 20 वार्डों में व्याप्त अंधेरे के प्रतीक स्वरूप 20 कैंडल जलाकर सांकेतिक विरोध दर्ज कराया गया।

20 वार्ड अंधेरे में, जिम्मेदार कौन?

शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अरुण भारद्वाज ने आरोप लगाया कि नगर के पूरे 20 वार्डों सहित स्टेट हाईवे पर भी स्ट्रीट लाइट व्यवस्था चरमरा गई है।। रात के समय आम नागरिक, विशेषकर महिलाएं, खुद को असुरक्षित महसूस करती हैं। उन्होंने कहा कि लगातार हो रही दुर्घटनाएं और मौतें प्रशासन

की उदासीनता का परिणाम हैं। उन्होंने नगर पालिका प्रशासन और भाजपा की नगर पालिका अध्यक्ष को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि जनता की सुरक्षा से अधिक भाजपा नेतृत्व को कमीशनखोरी की चिंता है। नगर की बुनियादी सुविधाओं की अनदेखी कर केवल राजनीति की जा रही है।

रैली के दौरान ही हुआ हादसा

विधायक प्रतिनिधि मनराखन देवांगन ने भी भाजपा सरकार और नगर पालिका प्रशासन पर तीखा हमला बोला।। उन्होंने बताया कि कैंडल मार्च के दौरान ही अंधेरे के कारण एक मोटरसाइकिल सवार गाय से टकरा गया और बड़ी दुर्घटना होते-होते बची। उन्होंने कहा कि शहर में पहले भी कई हादसे हो चुके हैं,जिनमें लोगों की जान गई है। खराब प्रकाश व्यवस्था इन दुर्घटनाओं की बड़ी वजह बन रही है। भाजपा सरकार को राजनीतिक बयानबाजी से आगे बढ़कर जमीन पर काम करना चाहिए।

प्रशासन को दी चेतावनी

कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही नगर के सभी 20 वार्डों और मुख्य मार्गों पर विद्युत व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई ,तो जनता के साथ मिलकर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। शहरवासियों ने भी मांग की है,कि नगर पालिका प्रशासन तत्काल बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत कर शहर में समुचित प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करे ताकि दुर्घटनाओं पर रोक लग सके और नागरिक सुरक्षित वातावरण में आवागमन कर सकें।

कैण्डल मार्च में नगर पालिका परिषद के नेताप्रतिपक्ष व पार्षद दीपक देवांगन सहित शेखर दास वैष्णव, पूरन सारथी, रविन्द्र सिंह गहरवार, भरत चंद्राकर, सूयर्कांत यादव, संदीप लहरे, महेश यादव, मनीष सारथी, राहुल बंजारे, विलास सारथी, सिद्धांत सिंह, राजा लहरे, हरिदर्शन डीमर, नरेश सिन्हा, विनोद सिन्हा, अजय देवांगन, जितेंद्र रजक एवं अन्य कांग्रेसी कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

वीर शहीदों की स्मृति में आयोजित शहीद कप का आज समापन दिवस

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

वीर शहीदों की पावन स्मृति में आयोजित शहीद कप क्रिकेट प्रतियोगिता का छठवाँ दिवस 26 फरवरी को अत्यंत उत्साह, अनुशासन और देशभक्ति के वातावरण में संपन्न हुआ। यह आयोजन HMGM जन सेवा समिति के अध्यक्ष लोकेश पांडे की अनुशंसा एवं विनय टंडन के नेतृत्व में संपन्न हुआ कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान के सामूहिक गायन एवं अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। उपस्थित खिलाड़ियों, अतिथियों एवं दर्शकों ने दो मिनट का मौन रखकर देश के वीर सपूतों को नमन किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपकार चंद्राकर (प्रदेश महामंत्री, भाजपा युवा मोर्चा) उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रवीण सोनी (भाजपा नेता), समाजसेवी दिनेश यादव जी एवं समाजसेवी जितेंद्र ठाकुर की गरिमामयी उपस्थिति रही। आयोजन समिति द्वारा सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

मुख्य अतिथि उपकार चंद्राकर जी ने अपने संबोधन में कहा कि शहीदों के त्याग और बलिदान को स्मरण रखना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक सशक्तिकरण का माध्यम है, बल्कि यह युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का भी विकास करता है। ऐसे आयोजन युवाओं को सकारात्मक दिशा देने के साथ-साथ राष्ट्रभक्ति की भावना को भी सुदृढ़ करते हैं। प्रवीण सोनी ने कहा कि शहीद कप जैसे आयोजन समाज में एकता और समरसता का संदेश देते हैं।

समाजसेवी दिनेश यादव एवं जितेंद्र ठाकुर ने भी आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे युवाओं के लिए प्रेरणादायी पहल बताया। अतिथियों द्वारा टॉस करवाकर मैच का विधिवत शुभारंभ किया गया। इसके पश्चात मैदान पर दोनों टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया। खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह, खेल भावना और अनुशासन के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। मैच के दौरान दर्शकों में भी विशेष उत्साह देखा गया, जिन्होंने खिलाड़ियों का निरंतर उत्साहवर्धन किया। शहीद कप के आगामी मैचों को लेकर भी खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। आयोजन समिति ने अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने एवं खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।

इस अवसर पर रिंकू तिवारी, समीर, रवि, तरुण, आयुष, हितेश, शिवांत, जतिन, शेषु, इनायत, हिमांशु, पलक, बल्ला सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में मुख्य अतिथियों द्वारा दोनों टीमों को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की गई।

मामला खैरागढ़ उत्पीड़न : रोज नए विवाद को मिल रही है हवा

किसान संघर्ष समिति का पत्र या 'सफेद झूठ' का पुलिंदा? उठ रहे हैं ये सात तीखे सवाल

नरेन्द्र डाकलिया / राजनांदगांव

खैरागढ़ के चर्चित उत्पीड़न मामले में 'किसान अधिकार संघर्ष समिति' द्वारा जारी किया गया ताजा पत्र न्याय की मांग कम और 'डैमेज कंट्रोल' की कोशिश अधिक नजर आ रहा है। समिति ने जिस तरह से प्रेस और सोशल मीडिया पर आक्षेप लगाए हैं, उसने अब एक नए विवाद को जन्म दे दिया है।

'गोपनीयता' की आड़ में क्या छुपा रही है पुलिस?

समिति ने उच्चतम न्यायालय के निर्देशों और गोपनीयता का हवाला दिया है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि यदि मामला केवल 'धमकी' और 'IT Act' का है, तो इसमें वह कौन सी अति-गोपनीय जानकारी है जिसे बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट के नाम का इस्तेमाल किया जा रहा है? क्या यह जांच की साख पर बट्टा लगाने और बड़े नेताओं को बचाने की एक सोची-समझी प्लानिंग है?

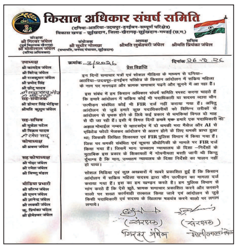

किसान अधिकार संघर्ष समिति

(दनिया-अतरिया-उदयपुर-हनईबन-सम्पूर्ण परिक्षेत्र)

विकास खण्ड - छुईखदान, जिला-खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई (छ.ग.)

संरक्षक: श्री गिरवर जंघेल, श्री मोतीलाल जंघेल | संयोजक: श्री सुधीर गोलछा | अध्यक्ष: श्रीमति लुकेश्वरी जंघेल | सचिव: श्रीमति प्रियंका जंघेल

क्रमांक ...3/2026 — दिनांक 26.02.26

प्रेस विज्ञप्ति

इन दिनों समाचार पत्रों एवं सोशल मीडिया के माध्यम से दनिया-अतरिया-उदयपुर-हनईबन परिक्षेत्र के किसान आंदोलन में सक्रिय महिला के नाम पर मनगढ़त और भ्रामक समाचार पढ़ने और सुनने में आ रहा है।

इस संबंध में हम किसान अधिकार संघर्ष समिति स्पष्ट करना चाहते हैं कि हमारे आंदोलन में सक्रिय कोई भी पदाधिकारी या सदस्य द्वारा यौन उत्पीड़न संबंधित कोई भी FIR दर्ज नहीं कराया गया हैं। अपितु आंदोलन से जुड़े हमारे कुछ पदाधिकारियों को विभिन्न तरीकों से आंदोलन से पृथक होने के लिये कई प्रकार से धमकियां विगत दो माह से दी जा रही हैं। इसी में विगत दिनों हमसे एक हमारे एक पदाधिकारी को अज्ञात मोबाईल नम्बर से व्हाटस्एप में दो धमकी भरा मैसेज और AI से एडिटेड फोटो भेजकर आंदोलन से अलग होने के लिए धमकी प्राप्त हुआ था; जिसकी लिखित शिकायत एवं FIR पुलिस विभाग में किया गया हैं। जिस पर धमकी संबंधित एवं सूचना प्रौद्योगिकी के मामले पर FIR दर्ज किया गया है। जिसमें मान: उच्चतम न्यायालय के दिशा-निर्देशों के मुताबिक इस प्रकार के शिकायतों में गोपनीयता बरती जानी थी किन्तु दुर्भाग्य है कि मान: उच्चतम न्यायालय के दिशा निर्देशों का पालन नहीं हो पाया।

सोशल मिडिया एवं कुछ अखबारों में खबरे प्रकाशित हुई है कि किसान आंदोलन में सक्रिय महिला सदस्य द्वारा यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज कराया गया है। इस का हम खण्डन करते हैं। हम पुलिस विभाग से मांग करते हैं कि ऐसे झूठे, भ्रामक समाचार प्रकाशित करने और करवाने वालो पर सख्त कार्यवाही तत्काल किया जावे एवं आंदोलन से जुड़े किसी पदाधिकारी एवं सदस्य के खिलाफ षडयंत्र करने वालो पर लगाम लगाये।

(संरक्षक) गिरवर जंघेल — (संरक्षक) मोतीलाल जंघेल

'धुआं' है तो 'आग' भी अवश्य लगी है

पत्र के अंत में 'षड्यंत्र' की बात करना इस बात को स्वीकार करने जैसा है कि कहीं न कहीं मामला गंभीर है। यदि कुछ हुआ ही नहीं, तो समिति को इतना स्पष्टीकरण देने की आवश्यकता क्यों पड़ी?

मानवाधिकार और महिला आयोग की चुप्पी

जब उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के उल्लंघन का आरोप लगाया जा रहा है, तो ये बड़े नेता अब तक मानव अधिकार आयोग या महिला आयोग के पास क्यों नहीं गए? क्या यह केवल मीडिया का मुंह बंद करने के लिए एक कागजी धमकी है?

फॉरेंसिक जांच की आंच से डर?

यह मामला अब केवल एक पत्र का नहीं, बल्कि फॉरेंसिक जांच का है। क्या पुलिस ने अपने मोबाइल से डेटा लीक किया या प्रेस ने खुद जुटाया? समिति का पुलिस पर ही दोष मढ़ना यह संकेत देता है कि वे जांच की दिशा को मोड़ने का प्रयास कर रहे हैं।

किसान संघर्ष समिति का यह पत्र न्याय दिलाने के बजाय, प्रभावशाली लोगों को 'कवच' प्रदान करने और शिकायतकर्ता को हतोत्साहित करने का एक दस्तावेजी प्रयास प्रतीत होता है।

दो महीने तक समिति खामोशी क्यों रही?

पत्र में स्वीकार किया गया है कि आंदोलन से जुड़े लोगों को पिछले दो माह से धमकियां दी जा रही थीं। सवाल यह है कि क्षेत्र के दिग्गज कहे जाने वाले नेता पिछले 60 दिनों से 'नई नवेली दुल्हन' की तरह हाथ पर हाथ धरे चुप क्यों बैठे थे? जब मामला सोशल मीडिया पर उछला, तभी यह पत्र क्यों जारी हुआ?

क्या पुलिस 'झूठी समाचार प्लांटिंग' कर रही है?

समिति का आरोप है कि प्रेस ने मनगढ़ंत खबरें छापीं। सवाल उठता है कि क्या पुलिस विभाग इतना फुर्सत में है कि वह प्रेस से मिलकर झूठी खबरें प्लांट करवाएगा? पुलिस पर अविश्वास जताना और उन्हीं से सच उजागर करने वाले मीडिया पर कार्रवाई की मांग करना, समिति के 'एकपक्षीय' और विरोधाभासी आचरण को दर्शाता है।

पहचान पर दोहरा मापदंड

समिति के पत्र की शुरुआत में दावा किया गया है कि 'यौन उत्पीड़न' की शिकायत करने वाली महिला उनके आंदोलन का हिस्सा नहीं है। लेकिन अगले ही पैराग्राफ में कहा गया है कि आंदोलन से अलग होने के लिए ही अकएडिटेड फोटो और धमकियां भेजी गईं। यदि वह महिला आंदोलन का हिस्सा नहीं है, तो उसे आंदोलन से अलग होने की धमकी कौन और क्यों देगा?

होली पर शांति व्यवस्था के लिए दुर्ग पुलिस की सख्ती : 68 गुंडा व निगरानी बदमाशों की ली परेड

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

होली पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से दुर्ग पुलिस ने सख्त कदम उठाते हुए भिलाई नगर एवं छावनी अनुविभाग क्षेत्र के कुल 68 गुंडा एवं निगरानी बदमाशों को 27 फरवरी 2026 को सेक्टर-06 स्थित कंट्रोल रूम में तलब किया।

पुलिस द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को उपस्थित कर कड़ी समझाइश दी गई तथा उनके फिंगरप्रिंट दर्ज कर सत्यापन की प्रक्रिया पूरी की गई। अधिकारियों ने स्पष्ट रूप से चेतावनी दी कि त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि, नशा सेवन या विक्रय, मारपीट, हुड़दंग अथवा सार्वजनिक शांति भंग करने पर तत्काल कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) की धाराओं के अंतर्गत बाउंड ओवर की कायर्वाही भी सुनिश्चित की जाएगी।

पुलिस प्रशासन ने बताया कि होली के दौरान क्षेत्र में लगातार निगरानी और पेट्रोलिंग की विशेष व्यवस्था की गई है, ताकि असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जा सके और आमजन सुरक्षित वातावरण में त्योहार मना सकें।

इस कार्रवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर, भिलाई नगर अनुविभाग के सीएसपी सत्य प्रकाश तिवारी, छावनी सीएसपी प्रशांत पैकरा सहित पुलिस अधिकारियों, थाना प्रभारियों, सीसीटीएनएस स्टाफ एवं कंट्रोल रूम स्टाफ की सक्रिय एवं समन्वित भूमिका रही।

दुर्ग पुलिस की अपील

दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि होली पर्व को आपसी भाईचारे एवं शांति के साथ मनाएं तथा किसी भी असामाजिक गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। कानून व्यवस्था भंग करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जिला चिकित्सालय दुर्ग में ट्रामा सेंटर संचालन की मांग, मुख्यमंत्री साय को सौंपा ज्ञापन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

500 बिस्तरों वाले जिला चिकित्सालय दुर्ग में ट्रामा सेंटर संचालन एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति की मांग को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा गया है। ज्ञापन में अस्पताल की वर्तमान स्थिति और बढ़ते मरीज भार को देखते हुए त्वरित आवश्यक कदम उठाने की मांग की गई है।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि जिला चिकित्सालय में प्रतिदिन 1000 से अधिक मरीजों का उपचार किया जाता है। स्थानीय क्षेत्र के अलावा अन्य जिलों से भी पीड़ित एवं गंभीर रोगों से ग्रसित मरीज इलाज के लिए यहां पहुंचते हैं। बावजूद इसके, अस्पताल में

कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, डर्मेटोलॉजी एवं रेडियोलॉजी जैसे महत्वपूर्ण विभागों के विशेषज्ञ चिकित्सकों का अभाव बना हुआ है।

इसके अतिरिक्त पर्याप्त संख्या में वार्ड बॉय, स्टाफ नर्स, ड्रेसर, वाहन चालक एवं रेडियोग्राफर जैसे आवश्यक कार्मिकों की भी कमी बताई गई है, जिससे चिकित्सा सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। वर्तमान में कार्यरत चिकित्सक एवं कमर्चारी पुराने सेटअप (250-300 बेड और 450-500 मरीज प्रतिदिन) के अनुरूप स्वीकृत पदों पर कार्य कर रहे हैं, जबकि अब अस्पताल की क्षमता और मरीजों की संख्या दोगुनी हो चुकी है। इस प्रतिकूल स्थिति के कारण रेफर केसों की संख्या में भी लगातार वृद्धि हो रही है।

ज्ञापन में कहा गया है कि ट्रामा सेंटर के संचालन से दुर्घटना एवं गंभीर रोगों के मरीजों को तत्काल उपचार मिल सकेगा और उन्हें अन्यत्र रेफर करने की आवश्यकता कम होगी। इससे मरीजों को समय पर राहत और बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। यह ज्ञापन जिला चिकित्सालय की जीवन दीप समिति के आजीवन सदस्य दिलीप ठाकुर तथा उनके सहयोगी सीता राम ठाकुर एवं नीलकंठ गढ़े द्वारा प्रस्तुत किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, उक्त ज्ञापन को कार्यवाही हेतु संचालक स्वास्थ्य सेवाएं रायपुर को अग्रेषित कर दिया गया है। ज्ञापनकर्ताओं ने शीघ्र आवश्यक पदों की पूर्ति एवं ट्रामा सेंटर प्रारंभ करने की मांग करते हुए कहा है कि इससे जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी और मरीजों को बेहतर उपचार सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

विशाल रैली

दुर्ग में निकली पहली बार फाल्गुन एकादशी को बाबा श्याम की ऐतिहासिक निशान ध्वज यात्रा

भक्ति गीतों और ढोल-नगाड़ों के साथ थिरकते नजर आते रहे बाबा श्याम के श्रद्धालु

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ की धार्मिक नगरी दुर्ग में पहली बार फाल्गुन एकादशी को प्रदेश की सबसे बड़ी निशान यात्रा निकाली गयी जिसमें 1300 श्याम प्रेमियों से अधिक ने निशान ध्वज उठाया। दुर्ग में निशान यात्रा को लेकर उत्साह देखने को मिला। निशान यात्रा श्री सत्तीचौरा मां दुर्गा मंदिर गंजपारा से कादम्बरी नगर स्थित श्री श्याम मंदिर तक निकाली गई। निशान यात्रा के पहले दुर्गा मंदिर में बाबा श्याम की ज्योत ली गयी, एवं पूजा अचर्ना करके श्याम बाबा की महाआरती की गयी, तथा पुष्पांजलि कराई गई।

आयोजन समिति के प्रमुख योगेन्द्र शर्मा बटी ने बताया कि निशान यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्याम ध्वज लेकर शामिल हुए और पदयात्रा की। नगर में भाव विभोर होकर लोगों ने पदयात्रियों का स्वागत किया। इस दौरान निशान यात्रा में बाबा की झलक पाने के लिए राहगीर भी लालायित हो रहे थे। श्री श्याम मंदिर में निशान चढ़ाते हुए भक्तों ने श्याम बाबा के दर्शन किए।

दुर्ग में पहली बार 1300 से अधिक धर्मप्रेमियों की निशान यात्रा को देखने एवं फूलों की वर्षा करने अलग अलग स्थानों में धर्मप्रेमी जमा हुए, इस निशान यात्रा में नगर की सैकड़ों महिलाओं सहित

युवा श्रद्धालु लाल, पीले ध्वज निशान लेकर भक्तगण श्याम गुणगान करते हुए शामिल हुए। साथ ही श्री श्याम जी की आकर्षक चलित झांकी, बाबा का रथ बग्गी राधा कृष्ण जी बनी हुई झांकी घोड़ा बग्गी भी निशान यात्रा में निकाली गई।

पद यात्रा कर निशान चढ़ाने को लेकर मान्यता यह रही है कि श्री श्याम बाबा के महाबलिदान शीश दान के लिए उन्हें निशान चढ़ाया जाता है। यह उनकी विजय का प्रतीक है, जिसमें उन्होंने धर्म की जीत के लिए दान में अपना शीश ही भगवान श्री कृष्ण को दे दिया था। जिन्हें प्रसन्ना करने निशान छोटे से बड़े मुख्यत केसरी नीला, सफेद ,लाल या पीले रंग का झंडा निशानों पर श्याम बाबा और कृष्ण भगवान के जयकारे और दर्शन के फोटो लगाते है। वही कुछ निशानों पर नारियल और मोरपंख भी लगाया जाता है। जिससे श्याम सरकार सभी के हर बिगड़े कार्य बना देते है व भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। इसलिए सभी भक्त श्याम मंदिरों में अपनी मन्नाते मांगते हुए निशान चढ़ाते हैं। सत्तीचौरा दुर्गा मंदिर से निशान लेकर जब

श्याम प्रेमी निकले तब पूरे रास्ते मे श्याम बाबा की जय, हारे का सहारा श्याम हमारा की गूंज पूरे शहर में रही, जगह जगह निशान यात्रा का स्वागत किया गया, आतिशबाजी फूलों की बरसात एवं बाबा के अमृत रंगों की वर्षा की गई।

मान्यता है कि खाटू श्याम बाबा के दरबार से कोई खाली हाथ नहीं लौटता। इसलिए पूरे साल यहां श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती है। जो भी अपनी मनोकामना लेकर बाबा के दरबार में आता है, वह मन्नत मांगता है। मन्नत पूरी होने पर भक्त निशान चढ़ाने की प्रतिज्ञा करते हैं। खाटू श्याम निशान यात्रा में कई ऐसे श्रद्धालु मिलते हैं जो बताते हैं कि उनकी मनोकामना पूरी हुई, इसलिए वे ध्वज लेकर पैदल यात्रा कर रहे हैं। कोई संतान सुख मिलने पर आया है, तो कोई बीमारी से राहत मिलने पर। कुछ लोग हर साल निशान चढ़ाते हैं, चाहे मन्नत हो या न हो।

बंटी शर्मा ने बताया कि लगभग 1300 धर्मप्रेमियों की निशान यात्रा जोकि लगभग 800 मीटर लंबी थी, यात्रा दुर्गा मंदिर से शनिचरी बाजार, गांधी चौक, सदर बाजार, मोती काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्किट, स्टेशन रोड, धमधा ओवर ब्रिज के ऊपर से कादम्बरी नगर श्री श्याम मंदिर पहुँची, जहाँ बाबा की नजर उतार कर स्वागत किया गया।

निशान यात्रा में अरुण वोरा धीरज बाकलीवाल श्याम शर्मा अशोक राठी प्रतिभा सुरेश गुप्ता अजय शर्मा दीपक चावड़ा कुलेश्वर साहू श्रवण अग्रवाल गौरव बजाज मुकेश राठी संजय शर्मा मनोज शर्मा राजेश शर्मा पायल जैन प्रवीण अग्रवाल गोपाल शर्मा सरिता शर्मा चंचल शर्मा अनिता अग्रवाल पिंकी पुरोहित चंचल ललित शर्मा सुमन शर्मा शिल्पी शर्मा प्रगति शर्मा स्वीटी गुप्ता प्रीति राजगढ़िया सिंपल राठी किरण शर्मा पप्पू दुबे प्रमोद जोशी सुरेश शर्मा गर्व कहार राजू पुरोहित लक्की अग्रवाल राजेश शर्मा हर्षद पारख संदीप शास्त्री रवि शास्त्री ईशान शर्मा मनोज गुप्ता सतबीर शर्मा सुरेश गुप्ता पिंकी गुप्ता चेतन जैन मनोज गुप्ता दिनेश शर्मा सतबीर शर्मा ललित शर्मा भार्गव चक्रधारी राजेश शर्मा नरेंद्र राठी राकेश रामलोचन तिवारी रूपल गुप्ता शीतल सवारियां श्रवण अग्रवाल मनीषा अग्रवाल राहुल अग्रवाल रितेश सेन राजेश शर्मा सोनल सेन मोहित पुरोहित रिषी गुप्ता कृतज्ञ शर्मा सुयश गुप्ता प्रकाश ठाकुर नमन खंडेलवाल श्रेयष गुप्ता प्रतीक अग्रवाल एवं हजारों श्याम प्रेमी उपस्थित थे।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंद स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।